राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 200 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,09 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी सोमवार को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोरोना वैक्सीन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक होगी। यह बैठक शाम 4 बजे होगी। सरकारी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। कोरोना टीकाकरण से पहले की बैठक बेहद अहम होगी। इसमें सभी राज्यों के टीकाकरण की तैयारियों को लेकर समीक्षा की जा सकती है। बता दें कि देश की दो स्वदेशी वैक्सीन सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को डीसीजीआई ने आपातकाल इस्तेमाल की अनुमति दे दी है।

रंगोली के साथ कंगना ने दर्ज कराए अपने बयान

मुंबई, (एजेंसी)। बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी बहन रंगोली के साथ बांद्रा पुलिस स्टेशन पहुंची और बयान दर्ज कराया। पुलिस ने बताया कि राजद्रोह के मामले में कंगना और उनकी बहन रंगोली अपने बयान दर्ज कराने बांद्रा पुलिस स्टेशन पहुंची थीं। उनके बयान को पुलिस ने आज ही अदालत में पेश कर दिया।

बैंक के टोल फ्री नंबर से हो रही धोखाधड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फ्रॉड के नए तरीके को लेकर चेतावनी जारी की है। साइबर अपराधी बैंकों के टोल फ्री नंबर के समान मोबाइल नंबर का उपयोग करके लोगों के साथ धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं। साइबर अपराधी बैंक के टोल फ्री नंबर से मिलते जुलते नंबर लेकर उसे ट्रू कॉलर जैसे ऐप पर किसी भी बैंक या फाइनेंशियल कंपनी के नाम से रजिस्टर कर लेते हैं।

पीएम ने चित्रा घोष के निधन पर शोक जताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रोफेसर चित्रा घोष के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, प्रोफेसर चित्रा घोष ने सामाजिक जीवन और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी योगदान दिया है। मैं उनके साथ हुई उस समय की बातचीत का स्मरण करता हूं।

अब किसान विकल्प ढूंढे

15 जनवरी को अगली बैठक होगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नए कृषि कानूनों के विरोध के बीच किसानों और सरकार के बीच शुक्रवार को नौवीं बार बात हुई। हालांकि, पिछली 8 मुलाकातों की तरह यह चर्चा भी बेनतीजा रही। सरकार और किसान अपने-अपने रुख पर अड़े रहे। दोनों अपनी ढपली अपना राग अलाप रहे हैं। इससे बात दिन पर दिन बिगड़ती जा रही है। किसानों ने तल्ख लहजे में सरकार से कहा कि आप हल निकालना नहीं चाहते हैं। अगर ऐसा है तो हमें लिखकर बता दीजिए, हम चले जाएंगे। इस बैठक में किसान तख्ती लगाकर बैठे थे। इस पर लिखा था- मरेंगे या जीतेंगे। किसानों और सरकार के बीच अगली बैठक 15 जनवरी को होगी। उधर, किसान संगठनों का कहना है कि 11 जनवरी को हम फैसला करेंगे की बातचीत आगे होगी या नहीं। उधर इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई होनी है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सुप्रीम कोर्ट जो कहेगा उसे सरकार और किसान दोनों मानें। इस तरह सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पाले में गेंद डाल दी है। उधर किसान नेता पहले की कह चुके हैं कि अगर सुप्रीम कोर्ट कहेगा तो भी हम कानून वापस कराए बिना यहां से नहीं हटेंगे। ऐसे में बात बिगड़ती नजर आ रही है।

आंदोलन के 44वें दिन सरकार और किसानों के बीच विज्ञान भवन में बातचीत चल रही थी। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, रेल मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य राज्य मंत्री सोम प्रकाश के सामने किसानों ने कृषि कानून रद्द करने की मांग दोहराई, लेकिन कृषि मंत्री ने साफ इनकार कर दिया। बैठक खत्म होने पर उन्होंने मीडिया से कहा कि हमने किसानों से कानून वापसी के अलावा विकल्प मांगे, लेकिन किसानों ने विकल्प नहीं दिया। सरकार विकल्पों पर विचार करने के लिए तैयार है। कानून वापस नहीं होगा।

सरकार और किसान अपने-अपने रुख पर अड़े हैं। सरकार ने बैठक में साफ कर दिया कि वो कृषि कानूनों को वापस नहीं लेगी। वहीं किसान तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में सरकार ने किसानों से कहा कि अब फैसला सुप्रीम कोर्ट करे तो बेहतर है। सरकार और किसानों के बीच अब तक कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन सभी बेनतीजा रही। रास्ता न निकलते देख सरकार ने किसानों से ये बात कही। वहीं, बैठक के बाद किसान नेता हनान मुला ने कहा कि हम कानून वापसी के अलावा कुछ और नहीं चाहते। हम कोर्ट नहीं जाएंगे। कानून वापस होने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

लंच से पहले की बातचीत में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किसान संगठनों के नेताओं से कहा कि कानून सारे देश के लिए बनते हैं। किसान संगठनों को महज पंजाब और हरियाणा के हितों से इतर भी देखना चाहिए। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने तोमर से कहा कि आप कृषि कानूनों को वापस लीजिए और राज्यों को अपने-अपने कानून लाने दीजिए। राजेवाल ने कानूनों में संशोधन की बातचीत को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने तोमर से कहा कि केंद्र के पास कानून बनाने का संवैधानिक अधिकार ही नहीं है। राजेवाल ने कहा कि सरकार को अपने कानूनी सलाहकारों से इसका रास्ता पूछ सकती है कि कानूनों को किस तरह से वापस लिया जा सकता है या फिर सरकार हमसे साफ-साफ कहे कि कानूनों को वापस नहीं ले सकते और हम तुरंत हॉल छोड़ देंगे।

ऑल इंडिया किसान सभा ने कहा, बैठक का माहौल गर्म था। हमने कह दिया है कि कानून वापसी के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं है। हम किसी कोर्ट में नहीं जाएंगे। कानून वापस लो, नहीं तो हमारी लड़ाई चलती रहेगी। 26 जनवरी को हमारी परेड होगी। किसान नेता बलबीर राजेवाल ने मंत्रियों से कहा, आप जिद पर अड़े हैं। आप अपने-अपने सेक्रेटरी, जॉइंट सेक्रेटरी को लगा देंगे। नौकरशाह कोई न कोई लॉजिक देते रहेंगे। हमारे पास भी लिस्ट है। फिर भी आपका फैसला है, क्योंकि आप सरकार हैं। लोगों की बात शायद कम लगती है। जिसके पास ताकत है, उसकी बात ज्यादा होती है। इतने दिनों से बार-बार इतनी चर्चा हो रही है। ऐसा लगता है कि इस बात को निपटाने का आपका मन नहीं है। तो वक्त क्यों बर्बाद करना है।

देश की राजधानी दिल्ली की सरहदों पर किसानों का प्रदर्शन जारी है। इसी बीच गांधी परिवार ने भी किसान मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी कर ली है। शुक्रवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस सांसदों से महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुलाकात की। ये सांसद किसानों के साथ मिलकर सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस सांसदों के बीच मुलाकात राहुल गांधी के आवास पर हुई थी। ये किसान लंबे समय से धरना दे रहे हैं। वहीं, राहुल गांधी भी सरकार पर जमकर निशाना साध रहे हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति के सलाहकार ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कूटनीतिक मामलों के सलाहकार इमैनुएल बोन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और द्विपक्षीय व वैश्विक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। पेरिस और नई दिल्ली के बीच होने वाले वार्षिक रणनीतिक संवाद के लिए भारत आए फ्रांसीसी राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों के कूटनीतिक मामलों के सलाहकार बोन ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बातचीत की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने मोदी और बोन की बैठक की तस्वीर के साथ ट्वीट किया, रणनीतिक साझेदारी विचारों के समिलन का प्रतीक है। फ्रांस के राष्ट्रपति के कूटनीतिक मामलों के सलाहकार माननीय इमैनुएल बोन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्विपक्षीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक के दौरान भारत में फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनिन भी मौजूद थे।

देश में नए कोरोना स्ट्रेन का आंकड़ा 82 पर पहुंचा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्रिटेन में महामारी कोरोना खत्म भी नहीं हुआ और एक नए वायरस के नए स्ट्रेन ने कहर बरपाना शुरू कर दिया अब उसके संक्रमण की आहट भारत में भी हो गई है भारत इसके 82 मरीज हो गए है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि वायरस के नए स्ट्रेन से संक्रमित लोगों की संख्या 6 जनवरी तक 73 थी। मंत्रालय ने कहा कि नोवेल कोरोना वायरस के सबसे पहले ब्रिटेन में पाए गए नए स्ट्रेन से पीड़ित लोगों की संख्या 82 है। इससे पहले मंत्रालय ने बताया था कि वायरस के नए स्वरूप से संक्रमित लोगों को आइसोलेशन में अलग कमरे में रखा जा रहा है। उनके करीबी संपर्कों को भी आइसोलेशन में रखा जा रहा है। उनके सहयात्रियों, परिजन और अन्य का पता लगाने का काम शुरू कर दिया गया है तथा अन्य नमूनों की जीनोम सिक्वेंसिग चल रही है। ब्रिटेन में पाए गए कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन से संक्रमण के मामले डेनमार्क, हॉलैंड, ऑस्ट्रेलिया, इटली, स्वीडन, फ्रांस, स्पेन, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, कनाडा, जापान, लेबनान और सिंगापुर में भी सामने आ चुके हैं।

नवीन पटनायक को जान से मारने की साजिश

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को जान से मारने की साजिश से जुड़ा पत्र मिला है। मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास नवीन निवास के पते पर दो दिन पहले पत्र में उन्हें जान से मारने की साजिश रचे जाने की जानकारी दी गई है। साथ ही पत्र लिखने वाले कुछ वाहन नंबरों का उल्लेख कर दावा किया है कि इन वाहनों से सीएम पटनायक का पीछा किया जा रहा है।

पत्र मिलने के बाद सीएम पटनायक की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक सीएम को जान से मारने की साजिश की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इसके लिए उच्च स्तरीय जांच कमेटी भी गठित कर दी गई है। पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। जानकारी के मुताबिक नवीन निवास के पते पर सीएम को संबोधित करने वाला हाथ से लिखा एक पत्र मिला।

पत्र में लिखा गया है कि कुछ सुपारी किलर्स उनकी हत्या के लिए लगाए गए हैं। इसके लिए सुपारी किलर्स को सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल्स के साथ ही एके-47 जैसे हथियार दिए गए हैं। पत्र लिखने वाले 17 कार के नंबर भी लिखे हैं, जिनसे सीएम का पीछा करने की बात लिखी गई है। पत्र में दावा किया गया है कि उनकी हत्या के लिए हथियार ओडिशा पहुंच चुका है। साजिश रचने वाला मास्टरमाइंड महाराष्ट्र के नागपुर में रहता है। पत्र में न केवल मास्टरमाइंड के नागपुर में रहने का दावा किया गया है, बल्कि उसकी कार के नंबर का भी उल्लेख किया गया है।पत्र मिलने के बाद हरकत में आए गृह विभाग ने डीजीपी और पुलिस कमिश्नर को अलर्ट करते हुए जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गृह विभाग ने सीएम पटनायक के आवास, दफ्तर और यात्रा के समय रास्ते में सुरक्षा कड़ी करने के भी निर्देश दिए हैं।

अग्नि-5 को एलएसी पर तैनात कर सकता है भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एलएसी पर चीन के साथ जारी तनाव के बीच भारत अपनी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 को तैनात करने की योजना बना रहा है। इस इंटरकंटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की जद में बीजिंग, शंघाई सहित उसके सभी प्रमुख शहर आ सकते हैं।एक रिपोर्ट के मुताबिक एलएसी पर तनाव के मद्देनजर रक्षा रणनीतिकारों ने अग्नि-5 मिसाइल को जल्द से जल्द तैनात करना चाहते हैं।

अग्नि-5 एक बार तैनात हो गई, तब यह भारत के लिए गैमचेंजर साबित हो सकती है। अभी इसके प्री-इंडक्शन ट्रायल्स चल रहे हैं जिसके बाद इन्हें रणनीतिक तौर पर अहम जगहों पर तैनात किया जाएगा। उम्मीद है कि इस अगले 3-4 महीनों में तैनात कर लिया जाएगा। लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन के साथ जारी तनाव के बीच भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को तेज कर दिया है। पिछले तीन महीनों में ही भारत ने 30 कामयाब मिशनों को लांच किया है।

5,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली मिसाइल परमाणु हथियार ले जा सकती है। अग्नि 5 कितनी खतरनाक है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसकी मारक क्षमता के दायरे में पूरा चीन आता है। यानी अगर भारत ने अग्नि-5 का इस्तेमाल किया, तब चीन के किसी भी इलाके को टार्गेट किया जा सकता है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि मिसाइल से पेइचिंग, शंघाई, गुआंगझाऊ और हॉन्ग कॉन्ग जैसे शहरों को निशाना बनाया जा सकता है। चीन के ये शहर राजनीतिक और औद्योगिक नजरिए से बेहद खास हैं और अग्नि-5 समेत भारत की मिसालों अगर लद्दाख या गुवाहाटी से पूर्वोतर इलाके से दागी गईं,तब ये पूरी तरह से तबाह हो सकते हैं।

अग्नि-5 का पहला टेस्ट 2012 में किया गया था और पूरी अग्नि सीरीज में यह सबसे आधुनिक हथियार है जिसमें नेविगेशन के लिए मॉडर्न टेक्नॉलजीज हैं और परमाणु हथियार ले जाने की इसकी क्षमता दूसरी मिसाइल प्रणालियों से कहीं ज्यादा बेहतर है। इस समय अमेरिका, चीन, रूस, फ्रांस और नॉर्थ कोरिया के पास ही इंटरकंटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल्स हैं।

कार्टून

प्रतिबंध और आतंकवाद रोधी समितियों की अध्यक्षता करेगा भारत

जिनेवा, (एजेंसी)। भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अस्थायी सदस्य के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान तालिबान और लीबिया पर प्रतिबंध समितियों और आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता करेगा। संयुक्त राष्ट्र की 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में वर्षों से सुधार की मांग कर रहे भारत ने अस्थायी सदस्य के तौर पर एक जनवरी से अपने दो साल के कार्यकाल की शुरूआत की। परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद विभिन्न मुद्दों पर सहायक निकायों का गठन करती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने एक वीडियो संदेश में कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि भारत को सुरक्षा परिषद की तीन महत्वपूर्ण समितियों की अध्यक्षता के लिए कहा गया है। इसमें तालिबान पर प्रतिबंध समिति, आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) और लीबिया पर प्रतिबंध समिति शामिल हैं।

तिरुमूर्ति ने कहा कि तालिबान प्रतिबंध समिति, अफगानिस्तान में शांति, सुरक्षा विकास और प्रगति के लिए हमेशा से भारत की शीर्ष प्राथमिकता में रही है। उन्होंने कहा, इस अहम मौके पर इस समिति की अध्यक्षता से अफगानिस्तान में आतंकवादियों की मौजूदगी और शांति प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने वाले उनके प्रायोजकों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। हमारा हमेशा से दृष्टिकोण रहा है कि शांति प्रक्रिया और हिंसा, दोनों एक साथ नहीं चल सकती। तिरुमूर्ति 2022 में आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता करेंगे। उस साल भारत अपनी आजादी का 75वां साल मनाएगा।

तिरुमूर्ति ने कहा कि लीबिया प्रतिबंध समिति के तहत लीबिया पर हथियारों की खरीद पर रोक लगायी गयी तथा संपत्ति की जब्ती समेत कुछ अन्य प्रतिबंध लगाए गए। उन्होंने कहा, हम ऐसे महत्वपूर्ण समय में इस समिति की अध्यक्षता कर रहे हैं जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान लीबिया और शांति प्रक्रिया पर है। तीनों समितियां यूएनएससी की महत्वपूर्ण सहायक निकाय है। भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र में 2021-22 के कार्यकाल के दौरान आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई उसकी शीर्ष प्राथमिकता में रहेगी।

बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में सीबीआई अदालत के फैसले के खिलाफ याचिका

लखनऊ, (एजेंसी)। बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में लखनऊ की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंड पीठ में एक पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई। विशेष सीबीआई अदालत ने अपने फैसले में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती सहित सभी 32 आरोपियों को मस्जिद के विध्वंस में शामिल होने के आरोपों से बरी कर दिया था।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की ओर से अयोध्या निवासी हाजी महबूब और हाजी सैय्यद अखलाक अहमद ने यह याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया कि सीबीआई विशेष अदालत द्वारा आरोपियों को बरी किए जाने के विशेष अदालत के फैसले को याचिकाकताओं ने चुनौती देने का फैसला किया है। विशेष अदालत ने पिछले साल भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती सहित सभी 32 आरोपियों को मस्जिद के विध्वंस में शामिल होने के आरोपों से बरी कर दिया था। अदालत ने अपने फैसले में 32 आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत न होने का हवाला देते हुए उन्हें बरी किया था।

लेबनान की राजधानी त्रिपोली में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद सूनी पड़ी हुई सड़कें।

अमेरिकी नहीं हो सकते संसद में उपद्रव करने वाले : ट्रंप

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में लोकतंत्र पर अभूतपूर्व हमले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने दंगा करने वाले अपने समर्थकों की निंदा करते हुए कहा है कि सभी अमेरिकियों की तरह मैं भी इस हिंसा से दुखी हूं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि हिंसा में शामिल होने वाले अमेरिकी नहीं थे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका हमेशा कानून और व्यवस्था का राष्ट्र होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि बुधवार को दुनिया उस समय हैरान रह गई, जब निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण को विफल करने के मकसद से कैपिटल भवन पर धावा बोल दिया और इस दौरान अभूतपूर्व हिंसा हुई तथा अफरातफरी मच गई। इस घटना में चार लोग मारे गए और राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के रूप में क्रमशः जो बाइडन एवं कमला हैरिस के निर्वाचन को सत्यापित करने की प्रक्रिया बाधित हुई। कांग्रेस ने इस घटना के चलते हुए विलंब के बाद अंततः

अपने संयुक्त सत्र में बाइडन तथा हैरिस के निर्वाचन की औपचारिक रूप से पुष्टि कर दी।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए तीन नवंबर को हुए चुनाव में बाइडन और हैरिस को 306 इलेक्टोरल कॉलेज वोट मिले थे, वहीं ट्रंप और पेंस के खाते में 232 इलेक्टोरल कॉलेज वोट आए थे। वर्मोंट के तीन इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की गिनती ने इन दोनों को राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत के लिए आवश्यक 270 से अधिक के जादुई आंकड़े के पार पहुंचा दिया था। डेमोक्रेटिक पार्टी के 78 वर्षीय नेता बाइडन और पार्टी की भारतीय मूल की नेता 56 वर्षीय हैरिस दोनों 20 जनवरी को क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की कमान संभालेंगे। इस दौरान दर्जनों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया।

बाइडन ने इस हिंसक घटना के एक दिन बाद ट्रंप समर्थक भीड़ को घरेलू आतंकवादी बताते हुए उसकी निंदा की। इसी बीच ट्रंप ने एक बयान जारी कर कहा कि चूंकि चुनाव के नतीजों से मैं पूरी तरह से असहमत हूं और इस तथ्य पर कायम हूं, इसके बावजूद 20 जनवरी को सुव्यवस्थित तरीके से सत्ता का हस्तांतरण होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को फिर से महान बनाने की लड़ाई की यह महज शुरूआत है। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव में धांधली के आरोपों को दोहराया।

दुनियाभर में कोरोना का कहर जारी, संक्रमितों का आंकड़ा हुआ 8.80 करोड़

वाशिंगटन, (एजेंसी) वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तक 8.80 करोड़ लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं, जबकि 18.98 लाख मरीज काल का ग्रास बन चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक विश्व के 191 देशों में कोरोना से अब तक आठ करोड़ 80 लाख 24 हजार से अधिक लोग संक्रमित हैं। वहीं अब तक 18 लाख 98 हजार 259 मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित अमेरिका में संक्रमितों की संख्या 2.15 करोड़ हो गई है, जबकि 3.65 लाख से अधिक मरीजों की मौत हुई है। संक्रमण के मामलों में दूसरे सबसे बड़े देश भारत में संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ चार लाख 13 हजार से अधिक हो चुका है। कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या एक करोड़ 37 हजार 398 हो गई। जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,50,570 हो गया है। ब्राजील में कोरोना की चपेट में आने वाले लोगों की संख्या 79.61 लाख से ज्यादा हो गई है, जबकि महामारी से दो लाख से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है।

रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 32.97 लाख हो गई है, जबकि 59,628 लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन में 28.98 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं,वहीं 78,632 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस में 27.63 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं और 66,700 मरीजों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोविड-19 से अभी तक 22.96 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, तथा 22,264 लोगों की मौत हुई है। इटली में 22.20 लाख से अधिक लोग वायरस से संक्रमित हुए हैं और 77,291 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में महामारी से अब तक 20.24 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 51,675 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में वायरस की चपेट में 18.86 लाख से ज्यादा लोग आ चुके हैं तथा 38,987 लोगों की मौत हुई है। कोलंबिया में कोरोना से अब तक 17.37 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 45,067 लोगों की जान जा चुकी है। अर्जेंटीना में कोविड-19 से 16.90 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं तथा 44,122 लोगों की मौत हो चुकी है। मैक्सिकों में कोरोना से 14.93 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 1.31 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

पोलैंड में संक्रमण के 13.56 मामले सामने आए हैं,वहीं 30,241 लोगों की मौत हो गई है। ईरान में महामारी से अब तक 12.68 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा 55,933 लोगों की मौत हो गई है। यूक्रेन में 11.33 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं जबकि 20,334 लोगों की मौत हो चुकी है। द. अफ्रीका में 11.70 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 31,809 लोग काल के गाल में समा गए हैं। पेरू में इस वायरस से अब तक 10.22 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 37,925 लोगों की मौत हो चुकी है। नीदरलैंड में कोरोना से 8.62 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं तथा 12,182 लोगों की मौत हुई है। इंडोनेशिया में संक्रमितों की संख्या 7.97 लाख हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा 23,520 तक पहुंच गया है। चेक गणराज्य में कोरोना से अब तक 7.94 लाख लोग प्रभावित हुए हैं तथा 12,621 लोगों की मौत हुई है। रोमानिया में कोरोना से 6.58 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 16,410 लोगों की मौत हो चुकी है। बेल्जियम में करीब 6.59 लाख लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 19,936 लोगों की मौत हो चुकी है।

कनाडा में अब तक 6.39 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 16,595 लोगों की मौत हुई है। चिली में कोविड-19 से 6.29 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 16,913 लोगों ने जान गंवाई है। इराक में संक्रमितों की संख्या छह लाख और मृतकों का आंकड़ा 12,869 तक पहुंच गया है। बंगलादेश में संक्रमितों की संख्या 5.19 लाख को पार कर गयी है और 7,718 लोगों की मौत हो चुकी है। पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 4.97 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं तथा 10,558 लोगों की मौत हो चुकी है। स्वीडन में इस महामारी से 4.82 लाख लोग संक्रमित हुए हैं तथा 9,262 लोगों की मौत हुई है। फिलीपींस में भी 4.82 लाख लोग इसकी चपेट में हैं तथा 9,356 लोगों की मौत हो चुकी है। स्विट्जलैंड में इस महामारी से 4.74 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 8,178 लोगों की मौत हो चुकी है। इजरायल में इस महामारी से 4.71 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 3,552 लोगों की जान जा चुकी है।

इंडोनिशिया में विवादित धार्मिक नेता अबू बकर जेल से छूटने के बाद एक वैन में बाहर आते हुए।

ट्रंप को पद से हटाने के लिए अमेरिकी संविधान का 25वां संशोधन लागू करें उपराष्ट्रपति पेंस

वाशिंगटन, (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उप-राष्ट्रपति माइक पेंस से अनुरोध किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को को पद से हटाने के लिए वह अमेरिकी संविधान का 25वां संशोधन लागू करें। गौरतलब है कि बुधवार को हजारों की संख्या में ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन पर हिंसक धावा बोल दिया था। संविधान में 25वां संशोधन उप राष्ट्रपति तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों को बहुमत से राष्ट्रपति को पद से हटाने का रास्ता साफ करता है।

सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी तथा सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक शूमर ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा राष्ट्रपति की खतरनाक एवं राजद्रोहकारक गतिविधियों के चलते उन्हें पद से तत्काल हटाना आवश्यक हो गया है। इससे पहले, डेमोक्रेटिक पार्टी के दो नेताओं ने पेंस से इस विषय पर बात करने का प्रयास किया था, लेकिन वह बात नहीं कर सके थे।

पेलोसी और शूमर ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा हमने उप राष्ट्रपति पेंस से अनुरोध किया है कि वह 25वां संशोधन लागू करें, जिसके तहत विद्रोह भड़काने तथा खतरा उत्पन्न करने पर राष्ट्रपति को उप-राष्ट्रपति तथा मंत्रिमंडल के सदस्य बहुमत से पद से हटा सकते हैं। हालांकि उप-राष्ट्रपति की ओर से अभी इस बारे में कोई जवाब नहीं मिला है।

गौरतलब है कि अमेरिका में लोकतंत्र पर एक अप्रत्याशित हमले में, बुधवार को निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हजारों समर्थकों ने वाशिंगटन डीसी स्थित कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) पर हमला किया और पुलिस के साथ भी उनकी झड़प हुई थी। इसमें चार लोगों की जान चली गई थी। इस दौरान ट्रंप समर्थकों ने संसद के संयुक्त सत्र को बाधित करने का प्रयास किया, जिसमें नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की जीत की पुष्टि होनी थी।

हांगकांग के लोगों ने अमेरिका में हिंसा को लोकतंत्र के लिए बताया झटका

विक्टोरिया, (एजेंसी)। हांगकांग के निवासियों ने यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन) में भीड़ के हमले की निंदा की है। यह घटना वृहद लोकतंत्र की मांग को लेकर प्रदर्शनकारियों द्वारा हांगकांग के संसद भवन में घुसने के 18 महीने बाद हुई है। लोकतंत्र समर्थक कार्यकताओं ने कहा कि इस हिंसा से अमेरिका की साख और लोकतंत्र को झटका लगा है। हांगकांग में चीन समर्थन संस्थान ने भी हिंसा को अस्वीकार्य करार देते हुए इसे संभावित विद्रोह करार दिया है। अमेरिकी संसद भवन पर हमले की घटना हांगकांग में 53 लोकतंत्र समर्थकों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है। हांगकांग के अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार किए गए लोगों पर संदेह है कि उन्होंने विधायिका में बहुमत हासिल करने की अपनी योजना के माध्यम से सरकार को पंगु बनाने की कोशिश की, ताकि ऐसे हालात पैदा हो जाएं, जिनके कारण हांगकांग की शीर्ष नेता को इस्तीफा देना पड़े और सरकार का कामकाज बंद हो जाए।

लोकतंत्र समर्थक और वर्ष 1989 में बीजिंग द्वारा थियानमेन चौक पर प्रदर्शनकारियों के दमन की याद में हर साल कार्यक्रम आयोजित करने वाले ली चीयूक यान ने कहा कि वाशिंगटन में हिंसा से अमेरिकी लोकतांत्रिक मूल्य के तर्क कमजोर हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह देखना दुखदायक है कि भीड़ कैपिटल हिल पर हमला कर रही है और चुनाव के नतीजों को निष्प्रभावी करने की कोशिश कर रही है। हम हांगकांग के लोग लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं जिसमें सभी को मत देने का अधिकार हो, लेकिन जब हम अमेरिका की ओर देखते हैं तो वहां अब लोगों की इच्छा को हिंसा से बदलने की कोशिश हो रही है। बीजिंग समर्थक सांसद रेगिना इप ने चुनावी नतीजों को बदलने के लिए हिंसा को बहुत ही गंभीर करार दिया और कहा कि इसे बगावत की तरह देखा जाना चाहिए।

जीत पर आधिकारिक मुहर लगते ही ऐक्शन में बाइडन

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। राष्ट्रपति चुनाव में जीत पर अमेरिकी संसद की आधिकारिक मुहर लगने के तुरंत बाद जो बाइडन ने मेरिक गारलैंड को अटॉनी जनरल नामित करने का ऐलान किया है। वहीं, भारतवंशी वनिता गुप्ता एसोसिएट अटॉर्नी जनरल होंगी। बाइडन ने कहा कि संघीय अपीली अदालत के न्यायाधीश गार्लेंड और तीन अन्य वकीलों को न्याय विभाग के वरिष्ठ पदों के लिए चुना गया है जो एजेंसी की आजादी को बहाल करेंगे और कानून के शासन के प्रति भरोसा बढ़ाएंगे। मेरिक गारलैंड एक अनुभवी न्यायाधीश हैं, जो दशकों पहले न्याय विभाग में वरिष्ठ पद पर रह चुके हैं। उन्होंने 1995 के ओकलाहोमा बम विस्फोट मामले में अभियोजन के सुपरवाइजर की भूमिका भी निभाई थी। न्याय विभाग के शीर्ष पदों के लिए लीसा मोनेको को डिप्टी अटॉर्नी जनरल तथा न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों की पूर्व प्रमुख भारतवंशी वनिता गुप्ता को एसोसिएट अटॉर्नी जनरल नामित करने की घोषणा की है।

इसके अलावा क्रिस्टेन क्लार्क को नागरिक अधिकारों के लिए असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल के तौर पर नामित करने की घोषणा की गई है। अटॉर्नी जनरल के लिए पूर्व सीनेटर डग जोंस, डी एला और पूर्व डिप्टी अटॉर्नी जनरल सेल्ली येट्स भी दावेदार थे। नागरिक अधिकारों के मामलों में व्यापक अनुभव रखने वाली दो महिलाओं गुप्ता और क्लार्क को चुना जाना दिखाता है कि नए प्रशासन में प्रगतिशील मूल्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। मेरिक गारलैंड को पद संभालने पर बाइडन के बेटे हंटर के खिलाफ कर संबंधी जांच के मामलों का भी सामना करना होगा। पिछले वर्षों में न्याय विभाग के कामकाज को लेकर उठे सवालों से भी उन्हें निपटना होगा। पिछले वर्षों में डेमोक्रेटिक पार्टी कई मौकों पर न्याय विभाग में राजनीतिकरण का आरोप लगा चुकी है।

नाइजीरिया में एक तेल टैंकर में हुए धमाके के बाद उठता हुआ धुआं।

फाइजर की वैक्सीन कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को मात देने में भी सक्षम : शोध

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। घातक कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन से दुनियाभर में मचे हड़कंप के बीच एक गुड न्यूज सामने आई है। अमेरिकी कंपनी फाइजर का कोरोना वायरस टीका लैब में की गई जांच में नए स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी पाया गया है। फाइजर और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास ने इस खतरनाक स्ट्रेन के खिलाफ अपने टीके की जांच की थी। इस शोध में यह संकेत मिला है कि फाइजर का टीका नए म्यूटेशन के खिलाफ प्रभावी है। इस म्यूटेशन की वजह से दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन समेत पूरी दुनिया में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी आई है। फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन में आरएनए तकनीक का इस्तेमाल किया गया है और इसमें कोरोना वायरस के नए म्यूटेशन से निपटने के लिए तेजी से बदलाव की क्षमता मौजूद है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि फाइजर और मॉडर्ना की वैक्सीन में कोरोना से निपटने के लिए मात्र 6 सप्ताह के अंदर बदलाव कयिा जा सकता है।

ज्ञात हो कि कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के कारण ब्रिटेन में हालात बेकाबू हो गए हैं।

अब यह वायरस पूरी दुनिया में फैल चुका है। वहीं अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अमेरिका में कोविड-19 से होने वाली की मौतों की संख्या 360,000 के आंकड़े को पार कर गई है। यह जानकारी जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के आंकड़ों से मिली। विश्वविद्यालय ने गुरुवार सुबह अपने नवीनतम अपडेट में खुलासा किया कि वर्तमान में देश में कोविड मौतों का कुल आंकड़ा 360,999 हो गया है, जबकि कोविड-19 मामले 21,292,109 पर पहुंच गया है। दुनिया में सबसे अधिक मामले और मौतों के साथ अमेरिका सबसे अधिक कोविड प्रभावित देश बना हुआ है। देश का कुल वैश्विक मामलों में 24 प्रतिशत से अधिक और मौतों में 19 प्रतिशत से अधिक योगदान है। न्यूयॉर्क राज्य में 38,912 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई है, जो राज्य स्तर पर सबसे ज्यादा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कोरोना के नए प्रकार को लेकर शुक्रवार को एक विशेष नेताओं की बैठक बुलाई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार शाम मॉरिसन ने घोषणा की कि राष्ट्रीय मंत्रिमंडल की बैठक, जिसमें प्रधानमंत्री और राज्य और क्षेत्र के नेता शामिल हैं, अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा प्रधान समिति के एक प्रस्ताव पर ध्यान केंद्रित करेंगे, ताकि अंतर्राष्ट्रीय कोरोना वायरस सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। मॉरिसन ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, यह प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय यात्रा प्रक्रियाओं में कोरोना वायरस से सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए है।

ब्रिटेन से दिल्ली आने वाले यात्रियों को अपने खर्च पर कराना होगा आरटी-पीसीआर टेस्ट : केजरीवाल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ब्रिटेन से लौटने वाले सभी यात्रियों के लिए एक नई गाइडलाइंस जारी की है। इसके अनुसार, ब्रिटेन से दिल्ली आने वाले सभी यात्रियों को सात दिन के लिए सरकारी क्वारंटाइन और सात दिन होम क्वारंटाइन में रहना होगा, फिर भले ही उनका कोविड-19 टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव ही क्यों ना हो। इसके साथ ही ब्रिटेन से दिल्ली आने वाले सभी यात्रियों को हवाईअड्डे पर ही अपने खर्च पर आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना होगा। केजरीवाल ने कहा कि दिल्लीवासियों को ब्रिटेन से आए वायरस के संपर्क में आने से बचाने के लिए दिल्ली सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रिटेन से आने वाले सभी लोग जो संक्रमित पाए जाएंगे उन्हें एक आइसोलेशन सेंटर में रखा जाएगा, जबकि टेस्ट में निगेटिव पाए जाने वाले लोगों को सात दिनों के लिए क्वारंटाइन सेंटर में ले जाया जाएगा, इसके बाद सात दिनों के लिए उन्हें होम क्वारंटाइन रहना होगा। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के मामले तेजी से सामने आने के मद्देनजर केजरीवाल ने गुरुवार को केंद्र सरकार से ब्रिटेन से भारत आने वाली फ्लाइटों पर 31 जनवरी तक रोक लगाने की मांग की थी। केजरीवाल ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा था केंद्र सरकार ने प्रतिबंध हटाने और ब्रिटेन की उड़ानें शुरू करने का फैसला किया है। यूके में कोविड-19 की अत्यंत गंभीर स्थिति को देखते हुए, मैंने 31 जनवरी तक प्रतिबंध को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया है। बड़ी मुश्किल से लोग कोविड-19 की स्थिति को नियंत्रण में लाए हैं। यूके की कोविड स्थिति गंभीर है। अब, प्रतिबंध हटाकर क्यों हमारे लोगों को जोखिम में डाल रहे हैं ज्ञात को कि 23 दिसंबर को केंद्र सरकार ने ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों को निलंबित कर दिया था, इसके अलावा आने वाले सभी यात्रियों का हवाईअड्डों पर आगमन का टेस्ट किया जाना था। बाद में यूके की उड़ानों का निलंबन 8 जनवरी तक बढ़ा दिया गया था। दिनों दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत भारत के अनेक शहरों में ब्रिटेन से लौटे लोगों में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन मिलने की पुष्टि हो चुकी है। इसके बाद सरकार ने ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइटों पर रोक लगा दी थी।

नई दिल्ली में सिंघू बॉर्डर पर नए फार्म कानूनों के खिलाफ चल रहे विरोध के दौरान किसानों और उनके समर्थकों ने नारे लगाते हुए।

एम्स सहित चार जगहों पर कोरोना के टीके का पूर्वाभ्यास शुरू

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान समेत 5 अस्पतालों में कोरोना के टीकाकरण का पूर्वाभ्यास ड्राई रन किया गया है, जिसमें एक केंद्र सरकार का अस्पताल उत्तर रेलवे सेंट्रल अस्पताल निजी क्षेत्र का प्राइमस अस्पताल, राजोकरी स्थित नगर निगम स्कूल में बने टीकाकरण केंद्र और वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल में पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इस दौरान टीकाकरण से जुड़ी व्यवस्था का आकलन किया जाएगा। इससे पहले दिल्ली में दो बार पूर्वाभ्यास हो चुका है। बता दें कि कोरोना का संक्रमण कम जरूर हो गया है, लेकिन यहां संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा बना हुआ है। इसके मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन के समक्ष यह मांग रखी कि दिल्ली में प्रमुखता के आधार पर टीकाकरण कराया जाना चाहिए। उन्होंने दिल्ली सहित सभी राज्यों में इसे निशुल्क उपलब्ध कराए जाने की भी मांग की। दरअसल, डा हर्षवर्धन टीकाकरण की तैयारियों को लेकर सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक वचरुअल बैठक की, जिसमें सत्येंद्र जैन ने उन्हें दिल्ली सरकार की चिंताओं से अवगत कराया और कहा कि दिल्ली में टीकाकरण की पूरी तैयारी कर ली गई है। टीके का पूर्वाभ्यास बेहतर रहा है। दिल्ली में पहले चरण के टीकाकरण के लिए कोरोना का कौन सा टीका मिलेगा कोविशील्ड या कोवैक्सीन अभी इसको लेकर संशय बरकरार है। इसलिए स्वास्थ्य कर्मियों में यह जिज्ञासा बनी हुई है कि उन्हें कौन सा टीका लगेगा। दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आइएमए का कहना है कि दिल्ली में जो भी टीका सरकार उपलब्ध कराएगी डॉक्टर उसका स्वागत करेंगे। वैसे उम्मीद जताई जा रही है कि पहले चरण के टीकाकरण के लिए दिल्ली को कोविशील्ड टीका मिलेगा। इसलिए स्वास्थ्य कर्मियों को यह टीका लगने की उम्मीद ज्यादा है। दिल्ली में पहले चरण में नौ लाख लोगों को टीका लगना है, जिसमें सबसे पहले तीन लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लगेगा। फिर अग्रिम पंक्ति के छह लाख कर्मचारियों को टीका लगाए जाने की तैयारी है। स्वास्थ्य कर्मियों का डाटा तैयार करते वक्त डीएमए ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग से पूछा था कि स्वास्थ्य कर्मियों को कौन सा टीका लगेगा।

दिल्ली के 4 और निवासियों में मिला कोरोना का नया स्ट्रेन

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के चार और लोगों में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन मिलने की पुष्टि हुई है। इसके बाद दिल्ली में ब्रिटेन में पाए गए कोविड-19 के म्यूटैंट वैरिएंट से संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 13 पर पहुंच गई है। इस बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से भारत और यूके के बीच उड़ानों पर 31 जनवरी तक रोक लगाने की अपील की है। सूत्रों ने कहा कि हाल ही में ब्रिटेन से लौटे लोगों और यहां उनके संपर्क में आए व्यक्तियों के डोर-टू-डोर मेडिकल चेकअप के दौरान जीनोम सिक्वेंसिंग का पता लगाने के लिए भेजे गए चार और सैंपल पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद अब दिल्ली में नए स्ट्रेन से संक्रमित लोगों की संख्या 13 हो गई है। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने देश के सभी जिलों में 8 जनवरी को होने वाले कोविड-19 टीकाकरण के ड्राई रन के संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने ट्वीट किया, डॉ. हर्षवर्धन के साथ आज के वीडियो कॉन्फ्रेंस में मैंने उनसे अनुरोध किया था कि ब्रिटेन की उड़ानों पर प्रतिबंध 31 जनवरी, 2021 तक बढ़ा दिया जाना चाहिए, क्योंकि ब्रिटेन में मामलों और मौतों में भारी उछाल देखा जा रहा है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डीडीएमए ने विभिन्न प्राधिकरणों को एक आदेश जारी कर कहा कि वे ब्रिटेन से लौटने वाले यात्रियों की जांच और आइसोलेशन में रखने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एसओपी का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। ब्रिटेन में कोविड-19 का एक नया स्ट्रेन सामने आया है। डीडीएमए ने यह आदेश भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एएआई स्वास्थ्य विभाग और जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकारों के शीर्ष अधिकारियों को जारी किया। भारत ने कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन को फैलने से रोकने के लिए 23 से 31 दिसंबर के बीच ब्रिटेन से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया था। हालांकि दोनों देशों के बीच उड़ानें 08 जनवरी से फिर शुरू होने वाली हैं।

दिल्ली: कार के दरवाजों और स्टेपनी में छुपाई थी 35 सेमीऑटोमेटिक पिस्टल, पुलिस ने ऐसे पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अवैध हथियारों के एक बड़े तस्कर को गिरफ्तार किया है. उसके कब्जे से 35 सेमीऑटोमेटिक पिस्टल और 60 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं. पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम आशीष कुमार पांडेय है. वो चोरी की कार से हथियारों की तस्करी कर रहा था.

दिल्ली पुलिस 26 जनवरी के मद्देनजर खास चौकसी बरत रही है. ऐसे पुलिस की नज़र खास तौर से अवैध हथियारों के तस्करों पर है. हाल ही में पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली थी कि एक तस्कर बड़ी मात्रा में अवैध हथियार लेकर दिल्ली आने वाला है. इस सूचना के बाद पुलिस ने पीतमपुरा इलाके में घेराबंदी कर जाल फैला दिया.

पुलिस को पक्की जानकारी मिली थी कि आरोपी आशीष कुमार पांडेय स्विफ्ट कार से दोपहर साढ़े ग्यारह बजे और साढ़े बारह बजे के बीच पीतमपुरा आएगा. तय समय पर ही पुलिस की नज़र लखनऊ नंबर की स्विफ्ट कार पर पड़ी. पुलिस ने तुरंत गाड़ी को रोककर उसकी जांच शुरू की, तो उन्हें पहले कुछ नहीं मिला, लेकिन पुलिस ने जब कार के चारों दरवाजों की जांच की तो उन्हें हर दरवाजे के अंदर से 4 यानी कुल 16 सेमीऑटोमेटिक पिस्टल मिली.

पुलिस ने जब कार की स्टेपनी की जांच की तो वहां से भी 19 पिस्टल और 60 जिंदा कारतूस बरामद हुए. पूछताछ में आरोपी आशीष कुमार पांडेय ने पुलिस को बताया कि वो एक हथियारों के रैकेट का हिस्सा है. वो मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के प्रह्लाद उर्फ जग्गू से हथियार लेकर आता था और दिल्ली में अलग-अलग बदमाशों और गैंग को वो हथियार बेचा करता था.

जांच में पुलिस को पता लगा कि आशीष ने पिस्तौल को छिपाने के लिए कार के दरवाज़ों और स्टेपनी में जगह बनवा ली थी, ताकि वो किसी की पकड़ में न आए. वो मध्य प्रदेश से साढ़े हजार में सेमीऑटोमेटिक पिस्टल लाता था और उसे दिल्ली लाकर 15 हजार में बेच देता था. दिल्ली पुलिस अब इस रैकेट के बाकी बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है. पुलिस का कहना है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में मध्य प्रदेश के खरगौन, बड़वानी और धार जिले से बड़ी मात्रा में अवैध हथियार भेजे जाते हैं. पुलिस ने कई बार ऐसे रैकेट पकड़े हैं.

दिल्ली के नरेला में रेस्क्यू किए गए 61 बाल श्रमिक, दो फैक्ट्रियों में कर रहे थे काम

नई दिल्ली। सरकारें कानून बनाकर चाहे जितने दावे कर लें, बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के नरेला इलाके में छापेमारी कर एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने 61 बाल मजदूरों को मुक्त कराया. एनजीओ ने प्रशासन के सहयोग से छापेमारी कर दो फैक्ट्रियों में काम कर रहे इन 61 मासूम बाल श्रमिकों को मुक्त कराया.

जानकारी के मुताबिक नरेला के औद्योगिक इलाके में स्थित एक जूता बनाने की फैक्ट्री और एक गीजर फैक्ट्री में बाल मजदूरों से काम कराए जाने की शिकायत मिल रही थी. इन शिकायतों के आधार पर एक एनजीओ ने इन्हें मुक्त कराने के लिए प्रशासन से सहयोग मांगा. एनजीओ के सदस्यों ने प्रशासन के सहयोग से इन फैक्ट्रियों में छापेमारी की. छापेमारी के दौरान इन फैक्ट्रियों में काम करते बच्चे नजर आए.

बाल मजदूरों को एनजीओ और प्रशासन की टीम ने रेस्क्यू किया. रेस्क्यू किए गए इन 61 बच्चों में 13 लड़कियां शामिल हैं. इन बच्चों की उम्र 12 से 17 साल के बीच बताई जा रही है. आरोप है कि एनजीओ और प्रशासन ने जिन 61 बच्चों को रेस्क्यू किया है, उन बच्चों से इन फैक्ट्रियों में पिछले दो साल से बंधुआ मजदूर की तरह काम लिया जा रहा था. एनजीओ ने दोनों फैक्ट्रियां सील कर इनके मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है.

गौरतलब है कि बच्चों को प्रतिदिन के हिसाब से 100 से 150 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी. सस्ते श्रम के लिए फैक्ट्रियों में बच्चों से काम कराया जा रहा था. ये सभी बच्चे बिहार के निवासी बताए जा रहे हैं.

दिल्ली दंगों की योजना बनाने के लिए शाहीन बाग में मिले थे ताहिर हुसैन और उमर खालिद

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली पुलिस ने अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में बीते साल फरवरी महीने में हुई उत्तर-पूर्व की दिल्ली हिंसा के मामले में ताहिर हुसैन के खुलासे का हवाला देते हुए आरोप लगाया है ताहिर हुसैन, खालिद सैफी और उमर खालिद की शाहीन बाग में हुई एक बैठक में हिंसा की साजिश रची गई थी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली हिंसा मामले में दाखिल की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट को स्वीकार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में कहा गया है कि जांच के दौरान ताहिर हुसैन ने खुलासा किया है कि उमर खालिद ने कथित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत यात्रा के दौरान राजधानी में सांप्रदायिक हिंसा करने की साजिश रची थी, ताकि दुनिया के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। चार्जशीट में कहा गया है कि फरवरी में हिंसा की योजना के अनुसार, खालिद सैफी के माध्यम से, ताहिर हुसैन ने 8 जनवरी 2020 को उमर खालिद से मुलाकात की थी, जहां उमर खालिद ने कथित रूप से कहा था कि वे राम जन्मभूमि और अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर चुप थे, लेकिन नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को वापस लेने के लिए उन्हें सरकार पर दबाव बनाने के लिए कुछ करना चाहिए। चार्जशीट में आगे कहा गया कि ताहि हुसैन ने पुलिस के सामने खुलासा किया है कि वह लगातार उमर खालिद द्वारा दिए गए भाषणों को सुन रहा था। इसमें खालिद ने कथित तौर पर हुसैन से कहा था कि उन्हें पीएफआई का समर्थन हासिल है और इसलिए खालिद ने हुसैन को लोगों को हिंसा के लिए उकसाने के लिए कहा। पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया उचित आधार पर आरोपी उमर खालिद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री थी, यह दिखाने के लिए कि आरोपी उमर खालिद, आरोपी ताहिर हुसैन और अन्य आरोपियों ने मिलकर अपराध को अंजाम दिया था। अदालत ने कहा है कि गवाह का बयान यह बताने के लिए पर्याप्त था कि प्रासंगिक समय के दौरान आरोपी उमर खालिद आरोपी ताहिर हुसैन के संपर्क में था, जिसके खिलाफ प्रथम दृष्टया रिकॉर्ड में पर्याप्त सामग्री थी, जिससे पता चलता है कि वह मुख्य साजिशकर्ता था, जिसने सांप्रदायिक दंगों और व्यक्तियों को लूटने और संपत्तियों को जलाने के लिए भीड़ को उकसाने के लिए धन मुहैया कराया था।

दिल्ली के इन आठ इलाकों की हवा बेहद खराब

नई दिल्ली, (संवाददाता)। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, बवाना और पटपड़गंज समेत आठ इलाकों की हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक गुरुवार के दिन 300 के अंक के ऊपर रहा। केंद्र द्वारा संचालित संस्था सफर के मुताबिक अगले दो दिनों के बीच वायु गुणवत्ता की स्थिति इसी के आसपास रहने की संभावना है। दिल्ली की हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा में लगातार इजाफा दर्ज किया जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली की हवा सोमवार और मंगलवार को अपेक्षाकृत साफ-सुथरी रही थी। लेकिन, बुधवार को इस खराब श्रेणी में पहुंच गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक गुरुवार के दिन औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 255 के अंक पर रहा। चौबीस घंटों के भीतर इसमें 29 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। जबकि, दिल्ली के आठ निगरानी केंद्र ऐसे हैं, जहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के ऊपर यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया है। सफर का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच मौसम के कारकों की वजह से वायु गुणवत्ता की स्थिति इसी के आस-पास रहने के आसार हैं।

आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए नेता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के कई नेताओं ने बुधवार को भाजपा का दामन थामा। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने इन सभी का पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने वालों में आप के संस्थापक सदस्य तपन ऋषि, विमला, रजनी ऋषि, महेंद्र कौर, नवीन गुप्ता, रंजना, बबलू राजपूत, नंदलाल, सचिन कुमार, कल्पना, नेहा, ललिता शामिल हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं के व्यवहार में परिवर्तन आ गया है। अब आप नेता आम आदमी की बात नहीं करते हैं। सत्याग्रह करके सत्ता में आने वाली पार्टी अब झूठ के राह पर चल रही है। लोकतंत्र के बजाय तानाशाही को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही कारण है कि आप की स्थापना करने और उसे मजबूत करने वाले पार्टी छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व किए गए वादे पूरे नहीं हुए। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों की समस्याएं हल करने के बजाय आप नेता दूसरे राज्यों में राजनीतिक विस्तार में व्यस्त हैं। सरकार के इस रवैये से लोगों में रोष है। भाजपा दिल्लीवासियों के हित में आप सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध करती रहेगी। भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं ने कहा कि उम्मीद के साथ वह आप के साथ जुड़े थे। सत्ता में आने के बाद भी उनकी उम्मीदें पूरी नहीं हुई। पार्टी की गलत नीतियों की वजह से लोग परेशान हैं। इस वजह से उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, सह प्रमुख हरिहर रघुवंशी सहित अन्य नेता मौजूद थे।

दिल्ली: डेटिंग एप पर फेक प्रोफाइल बनाकर महिलाओं से करते थे ठगी, 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पांच ऐसे शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो डेटिंग एप के जरिए महिलाओं के साथ ठगी करते थे. आरोपियों में 4 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं. इन सभी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है. आरोपी पहले डेटिंग एप पर फेक प्रोफाइल बनाते थे. फिर महिलाओं से दोस्ती करते थे. जब कोई भी महिला इन पर विश्वास करने लगती थी, तो ये लोग किसी न किसी बहाने से उस महिला से पैसे लेकर गायब हो जाते थे.

दिल्ली की दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने इस धोखाधड़ी गैंग के पांच लोगों को पकड़ा है, जिनमें 1 अफ्रीकी, 3 नेपाली और 1 भारतीय नागरिक शामिल हैं. पुलिस ने इनके पास से जाली आईडी बनाने का सामान, कंप्यूटर, प्रिंटर, फेक आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी कार्ड बरामद किए हैं. इसके अलावा कई बैंको की पासबुक और क्रेडिट-डेबिट कार्ड भी पुलिस को मिल हैं.

पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एक डेटिंग एप पर उसे विजय गिरी नाम का डॉक्टर मिला था. धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती हो गई. महिला के मुताबिक विजय ने उससे बोला था कि वह मूलतः अमेरिका का रहने वाला है, लेकिन बाद में लंदन में सैटल हो गया है.

एक दिन उसने महिला से कहा कि वो उससे मिलना चाहता है. साथ ही उसने महिला से उसके लिए एक मकान देखने की बात भी कही. इस बीच एक दिन महिला के पास फोन आया कि वो मुम्बई एयरपोर्ट पर उतर गया है. लेकिन ज्यादा विदेशी करेंसी और लगेज होने की वजह से उसे कस्टम ने रोक लिया है. घूस और फीस के लिए उसे तुरंत पैसे की ज़रूरत है. उसने महिला से मदद के लिए कहा और महिला ने उस पर भरोसा करते हुए उसके अकाउंट में कैश जमा करा दिया. लेकिन पैसा जमा होने के बाद से ही उसका फोन बन्द हो गया. तब जाकर महिला को समझ आया कि वो ठगी का शिकार हो चुकी है. महिला की शिकायत पर पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया और इस केस की छानबीन शुरू की. जांच के दौरान पुलिस ने उस बैंक अकाउंट को खंगाला, जिसमें महिला ने पैसे जमा किए थे. लेकिन उसमें आरोपी का पता सही नहीं मिला. लेकिन इस बीच पुलिस को पता चला कि आरोपी नए अकाउंट खुलवाने की कोशिश में है. फिर पुलिस ने पूर्वी दिल्ली से एक आरोपी को धरदबोचा. पकड़ में आए आरोपी का नाम प्रकाश था.

इसके बाद पुलिस ने प्रकाश से पूछताछ की तो सारा मामला खुलकर सामने आ गया. उसकी निशानदेही और जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक अफ्रीकन और 3 नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया. ये सभी मिलकर महिलाओं को ठगने वाला गैंग चला रहे थे. अब पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन लोगों ने कितने लोगों को अपना शिकार बनाया है.

निगमों के बकाया फंड की मांग के लिए भाजपा ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

नई दिल्ली, 8 जनवरी (एजेंसी)। केजरीवाल सरकार से नगर निगम का बकाया 13000 करोड़ रुपए की मांग के लिए भाजपा दिल्ली प्रदेश द्वारा दिल्ली में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने नई दिल्ली जिले के सरोजनी नगर मार्केट में चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

वहीं मजनू का टीला और पुरानी चंद्रावल में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल, नवीन शाहदरा जिले के बाबरपुर बस टर्मिनल में प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, मयूर विहार जिले के कल्याणपुरी ईस्ट में प्रदेश महामंत्री दिनेश प्रताप सिंह, चांदनी चौक जिले के शास्त्री नगर में प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा, महरौली जिले कुमार ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

आज पार्टी कार्यकर्ताओं ने लगभग 750 प्रमुख स्थानों पर हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया, जिसमें स्थानीय बाजार, मेट्रो स्टेशन और मंदिर परिसर और संस्थागत क्षेत्रों के बाहर शामिल थे। प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली सरकार और उसकी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी निगमों पर भ्रष्टाचार के मनगढ़ंत आरोप लगा रही है और संवैधानिक रूप से आवंटित फंड को रोक रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान केजरीवाल सरकार ने सभी योजना प्रमुख फंडों में कटौती

संपादकीय

जिंदगी की जंग हौसले से जीतो

सभी को नए साल 2021 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। यह 21वीं सदी के नए और तीसरे दशक की शुरुआत है। मेरी कामना यही है कि नए साल की पहली सुबह उगने वाले सूरज की ऊष्मा भरी किरणें सभी पर समान रूप से पड़ें। यह सूर्योदय सबको निरोगी बनाए, सबकी सेहत सुधारे और सबको अपनी ताकत से बीमारियों से लड़ने की क्षमता दे। दोस्तो, बीते साल के दिन बड़े कष्ट में गुजरे हैं। हर एक आदमी सहमा-सहमा-सा, खौफजदा रहा। कोविड-19 बीमारी ने पूरी दुनिया में सिर उठाया और हाहाकार मचा दिया। कई लोगों का घर-बार छूट गया, रोजगार छूट गया। अपने सपनों की गठरी लिए कितने ही घर, परिवार से बेदखल हो गए। कितने ही लोग शहरों से गांव लौट गए, कितने ही राहों में ही बीमार हुए और जीवन से हाथ धो बैठे। बीते साल में आम आदमी के साथ-साथ देश के कुछ बड़े कलाकार और लेखक भी हमसे बिछुड़ गए। खबरें आती रहीं, हम मन मसोसकर सुनते रहे। 2020 का साल इस मायने में याद किया जाएगा कि उसने लगभग हर इंसान के मनोबल को तोड़ने का काम किया। ऐसी बीमारी हमारे पीछे लग गई, जो बिना आहट हमला करती थी। चिंटू (ऋषि कपूर), इरफान, जगदीप, बासु दा (बासु चटर्जी) जैसे कलाकार हमारे बीच से चले गए। सुशांत सिंह राजपूत की मौत ने झकझोरकर रख दिया। और भी कितने लोग इस साल साथ छोड़ गए। लेकिन 2020 का साल इस बीमारी से लड़ने वालों और इसका मुकाबला करने वालों के नाम भी रहा। मैं अपने देश के डॉक्टरों और पुलिस को सलाम करना चाहूंगा, जिन्होंने महीनों अपने घर न जाकर, अपने घर-परिवार की रक्षा-सुरक्षा की परवाह न करते हुए खुद को जनसेवा में झोंक दिया। उन्होंने कड़ी गरमी, बरसात और इस जाड़े में लगातार काम करते हुए, एक सीमा के बाद सब्र खो देने वाली जनता के गुस्से, उसकी आक्रामकता को भी बिना शिकायत सहन किया और उनकी पीड़ा, वेदना को अपनी सदाशयता से शांत करने में कोई कोर-कसर न छोड़ी।

दोस्तो, आपका यह हीरो पिछले पूरे साल भी आपके साथ लगातार बना रहा है। मैं बीते साल अपने फॉर्म हाउस में रहा, जहां मेरे सपनों का संसार बसता है। आपका धरम आज भी वही है, जो अपनी आंखों में सपने सहेजकर मुंबई किस्मत आजमाने आया था। मेरे पास थी सख्त और अनुशासित पिता की नसीहतें और भोली-भली मां की दुआएं। यह वह धरम था, जो बड़े फिल्म स्टार दिलीप कुमार, सुरैया और श्याम का फैन था। यह वह धरम था, जिसके मन में एक दिन रुपहले परदे पर आने का ख्वाब था। किस्मत ने साथ दिया, टैलेंट कॉन्टेस्ट में सेलेक्ट हो गया, लेकिन एकदम से कोई चमत्कार नहीं हुआ। निर्माताओं और निर्देशकों के दफ्तरों के चक्कर लगाने पर भी बात बन नहीं रही थी। उन दिनों मेरे जैसा ही एक और स्ट्रगलर था, जो खुद भी हीरो बनने के ख्वाब लेकर आया था। मैं और वह अक्सर मिल जाया करते। उसने एक दिन वादा कर दिया, यार, अगर मुझे ज्यादा दिन काम नहीं मिला, तो मैं फिल्म बनाऊंगा और हीरो तुझे लूंगा। शायद मेरी किस्मत से ऊपर वाले ने उसकी यह बात सुन ली। मेरा वह प्यारा दोस्त अर्जुन हिंगोरानी था, जिसकी फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से मुझे ब्रेक मिला और उसी की फिल्मों कब क्यों और कहां और कहानी किस्मत की ने मुझे स्टार बना दिया। इसके बाद की यात्रा के आप सब साक्षी हैं, क्योंकि आप ही के प्यार ने मुझे फूल और पत्थर, अनुपमा, सत्यकाम, बंदिनी, ममता, गुड्डी, चुपके-चुपके, प्रतिज्ञा, लोफर, जुगनू, शोले, धरमवीर जैसी सैकड़ों फिल्मों से इस मुकाम तक पहुंचा दिया। ये मेरे दिल की बात है, दिल का सच है। 2020 तो मेरे लिए इसलिए भी खास रहा कि हेमा मालिनी के साथ मेरी जोड़ी को भी 50 साल हो गए। शराफत हमारी पहली फिल्म थी, जो 1970 में रिलीज हुई थी। यह आप सबका प्यार था, जो आपने इस जोड़ी को सुपरहिट बना दिया।

आप सबकी बदौलत ही मैंने 60 साल की लगातार चलने वाली यात्रा को रुकने नहीं दिया है। कभी हिम्मत न हारना मेरे उसूल में है। मैं हमेशा सबको इज्जत देता हूं, जिसके बदले में मुझे सबसे इज्जत मिलती है। जिस तरह से लोग मुझसे मिलते हैं, उनके चेहरे पर अपने लिए प्यार और आदर देख मैं भावुक हो जाता हूं। जो मेरे हमउम्र हैं, जो मेरे बच्चों की उम्र के हैं और जो मेरे पोते की उम्र के हैं, सबसे यही कहना चाहता हूं कि आप भी ऐसी क्षमता रखते हो, जो हवा का रुख बदल देती है। आप ही वह ऊर्जा हो, जो हारे हुए को भी जिता देती है। दोस्तो, इतना लंबा संघर्ष करने, इतनी ऊंची चढ़ाई चढ़ने के बाद भी कदम न तो थके हैं और न ही रुके हैं। यही मेरा आपसे भी कहना है। विपरीत धारा और बहाव में भी कदम लड़खड़ाए नहीं, यह हमें ध्यान रखना होगा। यह जो साल हमने बंधकर बिताया है, यह जीवन-रक्षा के लिए जरूरी था। यह खतरा भी अलग तरह का था। मैंने तो अपने फार्महाउस में रहकर खूब सब्जियां उगाईं, ट्रैक्टर चलाया, पशु-पक्षियों और मवेशियों की देखभाल की। वहीं से लगातार ट्विटर के जरिए मैं आप सबसे जुड़ा हुआ था। मेरे वीडियो और मैसेज को आपने खूब लाइक करके मुझे नई ऊर्जा दी। हमारी ऊर्जा ऐसे ही एक-दूसरे के काम आती है। एक-दूसरे को ऊर्जा देते हुए अपनी-अपनी जिंदगी की जंग बहादुरी और हौसले से ही जीती जा सकती है। मुकाम कैसा भी आए, कभी हार नहीं माननी चाहिए और न ही हौसला खोना चाहिए। खुश रहना, सक्रिय रहना और काम करते रहना ही जिंदगी है। अभी कुछ दिन पहले निर्देशक अनिल शर्मा मुझसे मिलकर गए। खबर यह है कि नए साल में हमारी फिल्म अपने 2 की शूटिंग शुरू होने वाली है। नए साल में आप सबके लिए यह दुनिया पहले जैसी ही खुशनुमा और आजाद हो जाए, तहेदिल से यही दुआ है, प्रार्थना है। अपना ख्याल रखिएगा। जब तक यह बीमारी है, तब तक कोई कोताही मत कीजिएगा। सुरक्षित रहिएगा।

प्रवीण कुमार सिंह

कृषि कानूनों पर परिपक्वता का परिचय दें किसान संगठन, किसान समझो कि कृषि में बदलाव समय की है मांग

यह समझने की आवश्यकता है कि 21वीं सदी में अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में नए कृषि कानून वास्तव में सहायक होंगे। सुनहरे भविष्य के लिए किसानों को आज नए कृषि कानूनों को स्वीकार करने की मानसिक परिपक्वता का परिचय देना होगा। सब्सिडी के लिए किसान सरकार पर निर्भर न रहकर सरकार से कृषि में दीर्घकालीन निवेश की मांग करें जिससे कृषि में तकनीकी, वैज्ञानिकता, शोध, उर्वरक, नई तरह के बीज एवं कृषि विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों को अमल में लाया जा सके।

एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद नए कृषि कानूनों पर कुछ किसान संगठनों एवं केंद्र सरकार के बीच गतिरोध बना हुआ है। एक तरफ सरकार किसानों को निरंतर यह समझाने का प्रयास कर रही है कि तीनों कृषि कानून उनके हित में हैं तो दूसरी तरफ किसान इस जिद पर अड़े हैं कि इन तीनों कृषि कानूनों को वापस लिया जाए। पिछले कई दौर की असफल वार्ताओं के बाद पूरे देश की नजरें आज होने वाली वार्ता पर इस उम्मीद से टिकी हैं कि इस समस्या का हल अवश्य ही निकलना चाहिए। अन्यथा इसका दुष्प्रभाव पूरे देश पर पड़ सकता है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस समस्या का हल क्या हो?

दोनों पक्षों को वार्ता प्रारंभ करने से पहले ही यह समझना होगा कि समाधान के लिए दोनों को कुछ कदम पीछे हटाने ही पड़ेंगे। सरकार को दरियादिली दिखाते हुए किसानों के मन में इन कृषि कानूनों के प्रति उपजे अविश्वास को खत्म करने की पहल करते हुए यह विश्वास दिलाना होगा कि सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है। सरकार अपना एक कदम और पीछे हटाते हुए इन कानूनों में संशोधनों के साथ एमएसपी के लिए अधिसूचना भी जारी कर सकती है। अब किसान नेताओं को भी सहमति के एक बिंदु पर खुद को टिकाना होगा तभी बातचीत का समाधान निकल सकेगा। 'दिल्ली चलो' का नारा देकर भावनात्मक आधार पर राजधानी के बाहर ऐसे लोगों की भीड़ एकत्र करने से समस्या का समाधान नहीं निकलेगा जिन्हें कृषि कानूनों के दूरगामी प्रभावों की कोई जानकारी भी नहीं है।

किसी के बहकावे में आए बिना किसानों को आज यह समझना ही होगा कि कृषि में बदलाव समय की मांग है। हर बड़े बदलाव को

कसौटी पर परखे बिना उसे ठुकरा देना समझदारी नहीं है। वह भी तब जब यह बदलाव देश की लगभग 60 प्रतिशत से अधिक आबादी से जुड़ा हुआ है जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से कृषि से जुड़ी हुई है। किसान आंदोलन के अगुआ बने पंजाब एवं हरियाणा के किसानों को छोड़ दें तो पूरे देश के किसानों की स्थिति न सिर्फ खराब, बल्कि दयनीय है। भारतीय कृषि अर्थशास्त्र में एक महत्वपूर्ण उक्ति है कि-भारत का किसान कर्ज में पैदा होता है, कर्ज में जीता है और कर्ज में ही मर जाता है। ऐसे में ये कृषि कानून एक मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। बिना बाजार में गए एवं आढ़त में बिना बोली लगाए बस मोबाइल में एक क्लिक द्वारा पूरे देश में किस बाजार में, किस जगह, किस मूल्य पर, कौन सी वस्तु, कितने दाम पर खरीदी एवं बेची जा रही है, उसकी समस्त जानकारी एक पल में हासिल होगी तो किसान अपनी मर्जी से, अपनी शर्तों पर, अपनी फसल को कहीं भी बेच सकता है।

ये कृषि कानून ऑनलाइन ट्रेडिंग द्वारा घर बैठे ही सभी झंझटों से मुक्ति दिलाते हैं और असीम संभावनाओं के द्वार खोलते हैं। जब सब चीजें ऑनलाइन खरीदी और बेची जा सकती हैं तो कृषि उत्पाद क्यों नहीं। कृषि उत्पादों की अधिक कीमत के लिए नवीन तकनीकी के प्रयोग द्वारा पोषक तत्वों की मात्रा एवं गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए किसान अधिक उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। वास्तव में यहीं से किसान को अपना हक मिलने की शुरुआत होगी एवं उसके सामने विकास के नए विकल्प खुलेंगे।

स्मार्ट खेती को बढ़ावा मिलेगा। आवश्यकता आधारित अवधारणा से हटकर मांग आधारित खेती की एक नई शुरुआत होगी। अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय कृषि मांग के अनुरूप उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। एक देश एक बाजार की अवधारणा हमारे सामने विकास की नई इबारत लिखेगी। इससे किसानों की आय में भी सुधार होगा और देश में बेरोजगारी भी घटेगी। यदि इसमें कुछ कमियां हैं तो सुधार किया जा सकता है। विपक्षी दलों को भी अपने राजनीतिक लाभ-हानि को छोड़कर देश के विकास और दूरगामी लाभ को ध्यान में रखते हुए देशहित में ही कार्य करना चाहिए। आने वाले समय में जब इन कानूनों की सार्थकता सामने आएगी तो उनके सामने अपना सिर धुनने के अलावा कोई और चारा नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत में कृषि उत्पादन कई गुना बढ़ा, परंतु यह वृद्धि असंतुलित ही रही है। इसी कारण किसानों की स्थिति में बहुत सुधार नहीं हो सका है। इसका प्रमुख कारण यह है कि प्रति एकड़ औसत आय लगभग 20,000 रुपये तक ही रही है और लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों के पास करीब दो-तीन एकड़ ही कृषि योग्य भूमि ही है। इस तर्क से सभी विशेषज्ञ सहमत हैं कि नए कृषि कानूनों से कृषि में आधुनिकीकरण की एक नई शुरुआत होगी।

किसानों को अच्छे बीज और सिंचाई से लेकर भंडारण एवं बाजार की उपलब्धता और अधिक आसान हो जाएगी। भारत की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता के अलावा उत्पादन में भी अधिक बढ़ोतरी की संभावनाएं विद्यमान हैं। भारत में जमीन की उपलब्धता विश्व के अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है, परंतु उत्पादकता उन देशों की तुलना में मात्र एक चौथाई ही है।

आज यह समझने की आवश्यकता है कि 21वीं सदी में अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में नए कृषि कानून वास्तव में सहायक होंगे। सुनहरे भविष्य के लिए किसानों को आज नए कृषि कानूनों को स्वीकार करने की मानसिक परिपक्वता का परिचय देना होगा। सब्सिडी के लिए किसान सरकार पर निर्भर न रहकर सरकार से कृषि में दीर्घकालीन निवेश की मांग करें जिससे कृषि में तकनीकी, वैज्ञानिकता, शोध, उर्वरक, नई तरह के बीज एवं कृषि विज्ञान के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों को अमल में लाया जा सके।

इन बातों के मद्देनजर सरकार को कृषि कानून को वापस लिए बिना किसानों को यह स्पष्ट कर देना अति आवश्यक है कि लोकतंत्र में लोगों की बात को मानना लोकतंत्र का सम्मान करना है, परंतु देशहित में सबके हितों की रक्षा का दायित्व भी सरकार का ही है जिसमें लचीलेपन की गुंजाइश सदैव मौजूद होती है।

ऑफिस जाने वाले पुरुषों की तुलना में कम नहीं गृहिणियों की अहमियत, इनकी आय को लेकर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्घटना मुआवजा संबंधी मामलों में गृहिणियों की काल्पनिक आय को लेकर एक अहम फैसला दिया है। उसने कहा है कि गृहिणियों की आय की गणना उनके काम, श्रम और बलिदान के आधार पर होनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा है कि घर में किसी महिला के काम करने की अहमियत दफ्तर जाने वाले उसके पति की तुलना में किसी भी मायने में कम नहीं है। दरअसल शीर्ष अदालत साल 2014 में दिल्ली में हुई एक सड़क दुर्घटना में दंपती की मौत के मामले में सुनवाई कर रही थी।

पति एक शिक्षक था और पत्नी गृहिणी थी। मामले की सुनवाई कर रही बेंच ने दंपति की दो पुत्रियों और एक अभिभावक की अपील पर फैसला सुनाया और दिल्ली हाई कोर्ट के निर्णय में सुधार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले में सुधार करते हुए मुआवजा राशि को 22 लाख से बढ़ाकर 33.20 लाख कर दिया है। हाई कोर्ट ने इस मामले में दुर्घटना दावा अधिकरण द्वारा निर्धारित मुआवजे की राशि 40.71 लाख रूपये से कम कर दी थी। हाई कोर्ट की ओर से दिए गए अपने फैसले में कहा था कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिला गृहिणी थी और वह आमदनी अर्जित करने वाली सदस्य नहीं थी।

अब बीमा कंपनी मई, 2014 से नौ फीसद सालाना ब्याज के साथ इस राशि का भुगतान करेगी। वास्तव में घर में काम करने वाली महिलाओं के लिए काल्पनिक आय सुनिश्चित करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इससे इतने सारे कामों को करने वाली महिलाओं के योगदान को पहचान मिलेगी, जो या तो अपनी इच्छा से या सामाजिक/सांस्कृतिक मानकों के कारण ये काम करती हैं।

महिलाएं औसतन एक दिन में 299 मिनट अवैतनिक तरीके से घरेलू कामों को करती हैं, जबकि पुरुष सिर्फ 97 मिनट करते हैं। इसी तरह से एक दिन में महिलाएं अपने घर के सदस्यों की अवैतनिक देखभाल में औसतन 134 मिनट खर्च करती हैं, जबकि इसमें पुरुष सिर्फ 76 मिनट निकालते हैं। देखा जाए तो गृहिणियों का योगदान धनार्जन करने वाले गृहस्वामियों से कदाचित कम नहीं है, लेकिन उनके काम को हम सभी हल्के में लेते हैं। उन्हें धन्यवाद कहना तो दूर अनेक अवसरों पर उनका अपमान भी होते देखा गया है।

बहुधा गांवों में व्याख्यान के लिए जाते समय मैंने देखा है कि पुरुष चारपाई पर बैठे हुए होते हैं, बातचीत कर रहे होते हैं या मोबाइल देख रहे होते हैं, लेकिन लड़कियां और गृहिणियां गोबर उठाने से लेकर खेतों तक में काम करती रहती हैं। हम अपने घरों की महिलाओं के कामों में हाथ बंटाकर और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार करके अपने बच्चों को भी स्त्रीजाति के प्रति संवेदनशील बना सकते हैं। दूसरों द्वारा अपना गिरा हुआ सामान उठाकर देने पर उन्हें हम धन्यवाद कहना शिष्टाचार समझते हैं, लेकिन दिन भर और दिन समाप्त होने तक हमारे घर-परिवार का ध्यान रखने वाली महिलाओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हमें याद नहीं रहता। उनके प्रति कृतज्ञता बोध हमारे व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। याद रखें, हमारे पूर्वजों ने हमें एक सूत्र दिया था- जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवताओं का निवास होता है। इसे अपनाने में ही हमारे देश-समाज की भलाई है।

गणतंत्र दिवस की गरिमा

कोविड-19 से उपजी समस्याओं और दुश्चिंताओं के बीच देश 72वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी में है, लेकिन समारोह के मुख्य अतिथि ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने हाल में यह कहते हुए क्षमा मांग ली कि अपने देश में महामारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए यह भूमिका वे नहीं निभा पाएंगे। ऐसे में शायद यह पहली बार ही होगा कि गणतंत्र दिवस समारोह में कोई विदेशी शासनाध्यक्ष अतिथि के रूप में मौजूद न हो। वैसे भी इस समारोह की पारंपरिक भव्यता इस बार देखने को नहीं मिलेगी। समारोह स्थल पर 25 हजार से ज्यादा दर्शकों की इजाजत न देने का फैसला पहले ही किया जा चुका है। परेड में शामिल फौजी दस्तों और झांकियों की संख्या कम होगी और परेड लाल किले तक जाने के बजाय नैशनल स्टेडियम पर, यानी लगभग आधी दूरी में ही समाप्त कर दी जाएगी। मगर गणतंत्र दिवस समारोह की अहमियत वहां मौजूद दर्शकों और परेड की भव्यता से ज्यादा उस भाव से जुड़ी है जो हर देशवासी के मन में इस समारोह के प्रति बना रहता है। लिहाजा गौर से देखें तो इस बार के गणतंत्र दिवस समारोह का सबसे बड़ा संकट राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर जारी किसानों के धरने से जुड़ा है। इस मामले में हालात जल्दी सामान्य नहीं बनाए गए तो कुछ ऐसे अप्रिय प्रसंग देखने को मिल सकते हैं, जो गणतंत्र दिवस की गरिमा के अनुरूप नहीं होंगे। विवादित कृषि कानूनों की वापसी की मांग को लेकर किसान पिछले डेढ़ महीने से राजधानी के आसपास खुले में मौसमों की मार झेल रहे हैं। सात दौर की बातचीत नाकाम होने के बाद उन्होंने बयान जारी किया है कि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली में प्रवेश करके वे अपनी ट्रैक्टर परेड निकालेंगे। बेशक सरकार ताकत के बल पर उन्हें राजधानी के संवेदनशील इलाकों में घुसने से रोक सकती है, लेकिन राष्ट्रीय गौरव के इस अवसर पर बल प्रयोग की कोई भी घटना देश का सिर नीचा करेगी। वैसे भी इस आंदोलन को किसी हठधर्मिता के चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

यह बात जगजाहिर है कि तीनों कृषि कानूनों की ड्राफ्टिंग से लेकर उन्हें संसद में पारित कराने तक किसानों और जन प्रतिनिधियों से जैसा संवाद होना चाहिए था, वह नहीं हो सका। कानून आने के तुरंत बाद पंजाब में किसान इसके खिलाफ आंदोलन पर उतर आए लेकिन केंद्र सरकार की तरफ से उन्हें भरोसे में लेने की कोई पहल नहीं की जा सकी। आखिर एक दिन वे रेल पटरियों से उठे और हरियाणा तथा केंद्र सरकार के बैरिकेडों को एक तरफ करते हुए दिल्ली बॉर्डर तक आ पहुंचे। तब से अब तक उनका दायरा देशव्यापी हुआ है। सरकार ने उनसे कई दौरों की बातचीत की है लेकिन संवाद का स्तर सुधरने के बजाय बिगड़ा ही है। अविश्वास की एक गहरी खाई सरकार और किसानों के बीच खुद गई है।

मध्य प्रदेश की सत्ता में निरंतर उठ रहे सवालों से कांग्रेस समेत कमल नाथ स्वयं भी दुविधा में

गौरतलब है कि छिंदवाड़ा के अपने दौरे के बाद कमल नाथ सीधे दिल्ली चले गए। वह तभी से दिल्ली में रहे। माना जा रहा है कि वह कांग्रेस नेतृत्व को राज्य में कांग्रेस की हार की वजह जरूर बता चुके होंगे। इस बीच यह चर्चा तेजी से उठी है कि कमल नाथ किसी एक पद से त्यागपत्र देंगे या फिर उन्हें केंद्रीय संगठन में स्थान मिलेगा। उनका स्थान क्या होगा, यह तो बाद में तय होगा, लेकिन इस मुद्दे पर कांग्रेस के अंदर खींचतान मची है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने यह कहकर चर्चाओं को एक तरह से सही ठहरा दिया कि कमल नाथ प्रदेश के सबसे बड़े नेता हैं।

वैसे तो वर्ष 2020 पूरी दुनिया के लिए सबसे बुरे दौर में से एक है, लेकिन इसमें भी बहुतों को खट्टे अनुभव हुए तो कुछ को मीठे स्वाद भी मिले। कोरोना संकट की गूंज अभी भी बरकरार है। उद्योग धंधों के साथ बाजार-व्यापार को मंदी की मार सहनी पड़ी, तो सरकारों एवं राजनीतिक दलों के लिए भी यह साल कई चुनौतियां लेकर आया। बात मध्य प्रदेश की करें तो कोरोना संकट के साथ भाजपा के सितारे बुलंदी पर लौटे तो कांग्रेस के लिए बुरे दौर की शुरुआत हुई। बड़ी मुश्किल से 2018 में राज्य की सत्ता में लौटी कांग्रेस ने एक झटके में न सिर्फ अपनी सरकार गवां दी, बल्कि उपचुनाव में अपना जनाधार भी खो दिया।

कांग्रेस को कर्नाटक के बाद सबसे बड़ा झटका मध्य प्रदेश में ही लगा, जब मार्च महीने में कमल नाथ की सरकार अपने ही विधायकों के विद्रोह के कारण भरभराकर गिर गई। दरअसल पार्टी पर पकड़ बनाए रखने के लिए प्रदेश के नेताओं की लड़ाई में आंख मूंदे रहे नेतृत्व को अहसास ही नहीं हुआ कि उसके पैर के नीचे से जमीन खिसक रही है। मुख्यमंत्री कमल नाथ और दिग्विजय सिंह से वर्चस्व की लड़ाई के कारण ज्योतिरादित्य सिंधिया के पार्टी छोड़ने के साथ ही कांग्रेस के लिए खराब दिनों की शुरुआत हो गई। उसने न सिर्फ सत्ता गंवाई, बल्कि 28 सीटों के उपचुनाव में भी करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। कांग्रेस सरकार के पतन के बाद सत्ता में लौटी भाजपा अपने प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता और

संगठन शक्ति के बल मजबूत होती गई।

सरकार गंवाने के बाद कांग्रेस को उम्मीद थी कि इस्तीफा देकर भाजपा के पाले में गए उसके विधायकों की रिक्त सीटों पर जब उपचुनाव होंगे तो वह जीत का परचम फहरा देगी। जब उपचुनाव हुए तो यह खयाली पुलाव साबित हुआ। पार्टी में नेता तो बहुत हैं, लेकिन मोर्चे पर अकेले कमल नाथ लड़ते दिखे। इसका संदेश आम जन में यही गया कि उपचुनाव में भी कांग्रेस एकजुट नहीं है। आपसी लड़ाई और संवादहीनता के कारण जमीनी स्तर पर कांग्रेस इस तरह कमजोर हुई कि 28 में से उसे मात्र नौ सीटें ही मिल सकीं। इस तरह उसी की सीटों पर अपने विधायक जिताकर भाजपा ने सरकार पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। इसमें शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व कौशल की एक बार फिर परख हो गई।

उपचुनाव में हार के बाद कांग्रेस का संकट बढ़ता ही जा रहा है। पार्टी अभी तक तय नहीं कर पाई है कि हार के लिए वास्तव में कौन जिम्मेदार है। संगठन जिम्मेदारी लेने से बच रहा है। सब आपस में एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। श्योपुर के विधायक ने एक बैठक में हार के लिए कमल नाथ को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। उनका तर्क था, उपचुनाव के दौरान कमल नाथ ऐसा व्यवहार कर रहे थे, जैसे अकेले वह सभी सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों को जिता देंगे।

उन्होंने दिग्विजय सिंह जैसे बड़े नेता को नजरंदाज किया। इसका कांग्रेस के प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ा। हालांकि जब विवाद बढ़ा तो विधायक ने यह कहकर मामला शांत करने की कोशिश की कि कमल नाथ व दिग्विजय सिंह दोनों ही बड़े नेता हैं। उनकी बात को गलत ढंग से समझा गया। विधायक की सफाई के बावजूद कमल नाथ खेमा इसे सोची-समझी रणनीति के तहत दिया गया बयान ही मानता है।

अपने ऊपर लग रहे आरोपों और हार की समीक्षा के दबाव के बीच कमल नाथ ने पिछले दिनों यह कहकर पार्टी में तहलका मचा दिया कि कांग्रेस अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा से नहीं हारी, बल्कि उसे तो अपनों ने ही हराया। छिंदवाड़ा की सभा में कमल नाथ के बयान ने साफ कर दिया कि ऊपर से ठंडी दिख रही राज्य कांग्रेस के अंदर माहौल तनावपूर्ण है। वैसे तो लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को हार मिली थी, लेकिन तब इस तरह के आरोप नहीं लगे थे। ऐसा पहली बार है कि खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने ही आरोप लगाया है कि पार्टी को भाजपा ने नहीं, अपनों ने हराया है। हालांकि उपचुनाव के दौरान ग्वालियर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुनील शर्मा, भांडेर से फूल सिंह बरैया ने भी शिकायत की थी कि कांग्रेस के कई नेता ही उनका साथ नहीं दे रहे हैं।

सवाल यह है कि आखिर कांग्रेस के अंदर वे कौन चेहरे हैं, जिन्होंने अपने उम्मीदवारों को हराया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उनका नाम तक नहीं बता पा रहे हैं। गौरतलब है कि छिंदवाड़ा के अपने दौरे के बाद कमल नाथ सीधे दिल्ली चले गए। वह तभी से दिल्ली में रहे। माना जा रहा है कि वह कांग्रेस नेतृत्व को राज्य में कांग्रेस की हार की वजह जरूर बता चुके होंगे। इस बीच यह चर्चा तेजी से उठी है कि कमल नाथ किसी एक पद से त्यागपत्र देंगे या फिर उन्हें केंद्रीय संगठन में स्थान मिलेगा। उनका स्थान क्या होगा, यह तो बाद में तय होगा, लेकिन इस मुद्दे पर कांग्रेस के अंदर खींचतान मची है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने यह कहकर चर्चाओं को एक तरह से सही ठहरा दिया कि कमल नाथ प्रदेश के सबसे बड़े नेता हैं। इस बीच 27 दिसंबर को कमल नाथ के आवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक तो हुई, लेकिन हार के कारणों पर चर्चा नहीं की गई।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

एक नजर

भारती घोष का अभिषेक बनर्जी पर करारा हमला, कहा- भय और आशंका में कट रहे तोलाबाज खोकाबाबू के दिन-रात

कोलकाता । प्रदेश भाजपा की उपाध्यक्ष व पूर्व आइपीएस अधिकारी भारती घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए करारा हमला बोला है।पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबंग में एक सभा को संबोधित करते हुए घोष ने अभिषेक का नाम लिए बिना कहा कि खोकाबाबू के दिन-रात अभी भय और आशंका में कट रहे हैं। न जाने कब विनय मिश्रा गिरफ्तार हो जाये, न जाने कब लाला पकड़ा जाए। उन्होंने कहा कि गो व कोयला तस्करी के मामले में आरोपित तृणमूल नेता विनय मिश्रा को फिलहाल भगा दिया गया है। वे दुबई चले गये हैं। पकड़े जाने पर खोकाबाबू को भी जेल जाना पड़ सकता है। वहीं, कोयला तस्करी का कथित सरगना लाला पहले से फरार चल रहा है। भाषण के दौरान भारती घोष ने 'फरार लाला, हिरासत में एनामुल, अरे दूर हो जाओ तृणमूल', खोकाबाबू तोलाबाज, उखाड़ फेंको तृणमूल राज' जैसे नारे भी लगवाए। उन्होंने कहा, राज्य में खोकाबाबू तोलाबाजी कर रहे हैं। जो लोग कुछ दिनों पहले तक निम्न मध्य वर्ग के थे, अचानक उनके पास करोड़ों का मकान हो गया। करोड़ों की संपत्ति हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विनय मिश्रा, एनामुल, लाला जैसे तस्करी के माफियाओं से रुपये की उगाही करके आज कालीघाट जैसे इलाके में माननीय (ममता बनर्जी) और उनके परिवार के पास करोड़ों रुपये के 36 फ्लैट हैं। कहा- एम्फन राहत के लिए मोदी सरकार ने 1000 करोड़ रुपये दिए, पर तृणमूल के नेता-मंत्री खाकर मोटे हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में एम्फन तूफान में टूटे लोगों के घरों को बनाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने 1000 करोड़ रुपये दिये, जिसे तृणमूल के नेता-मंत्री खाकर मोटे हो गए। भारती ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे द्वारे-द्वारे सरकार कार्यक्रम पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ममता बनर्जी द्वारे-द्वारे सरकार चला रही है, जबकि यहां गली-गली में बोरोजगार पड़े हुए हैं। 42 लाख राज्य के श्रमिक दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए जाने को मजबूर हैं। राज्य की जनता लांछित, वंचित, अपमानित हैं। महिलाएं भयभीत हैं, शिक्षक अपमानित हो रहे हैं। राज्य के डॉक्टर व वकील मार खा रहे हैं। बचानेवाली पुलिस डर के मारे टेबुल के नीचे छुप जाते हैं। अगर कोई तृणमूल के गुंडों से हिम्मत करके बचाने जाता है तो वह कैंसर घोषित हो जाता है और हटा दिया जाता है। पुलिस भय से थर-थर कांपती है। उन्होंने कहा कि राज्य की ममता सरकार लोगों को जीने के अधिकार से वंचित कर रही है। आयुष्मान भारत जैसी योजना राज्य में लागू होती तो लोग इलाज करवा कर बच तो पाता। वह राज्य में स्वास्थ्य साथी कार्ड के तौर पर झुनझुना पकड़ा रही हैं, जिसको लेकर लोग अस्पताल-अस्पताल दौड़ेंगे और उन्हें चिकित्सा नहीं मिलेगी, क्योंकि अस्पतालों को रुपये देगा कौन कोई बीमा कंपनी तो है नहीं।

राज्य सरकार स्वास्थ्य बजट में जितने रुपये घोषित की है, उससे 1117 रुपये प्रति व्यक्ति होता है, फिर साल का पांच लाख रुपये प्रति व्यक्ति कहां से आयेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य साथी योजना का खूब प्रचार किया जा रहा है। चुनाव के पहले लोगों को इसके जरिये लुभाने की कोशिश हो रही है जबकि स्वास्थ्य साथी योजना राज्य में पहले से है। जिनके पास स्वास्थ्य साथी कार्ड हैं, उन्हें अस्पतालों में चिकित्सा नहीं मिल रही, क्योंकि सरकार अस्पतालों को रुपये मुहैया नहीं करा रही है। यह महज के एक छलावा है।

राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं भारती ने आगे कहा कि राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। आए दिन उनके साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। शिक्षित युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही। शिक्षक नौकरी के लिए सड़क पर धरना दे रहे हैं। राज्य में स्थिति बदलने के लिए युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए और लोगों को अपना अधिकार प्राप्त करने के लिए 2021 में भाजपा की सरकार को चुनना होगा।

भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर देश के लिए क्यों खतरा बनते जा रहे हैं रोहिंग्या

नई दिल्ली । आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर से रोहिंग्या अजीजुल हक को पकड़ा है। वर्ष 2017 से अवैध ढंग से भारत में रह रहे अजीजुल के खाते में आई रकम को लेकर छानबीन शुरू कर दी गई है। गुरुवार को लखनऊ कोर्ट में आरोपित और अवैध पासपोर्ट सहित अन्य फर्जी दस्तावेज पेश करते हुए एटीएस ने टेरर फंडिंग की आशंका जाहिर की है। यह पहला मौका नहीं है। बीते सालों में कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें आतंकवादी गतिविधियों से लेकर अपराध में रोहिंग्या शामिल पाए गए। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रोहिंग्या अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। बांग्लादेश सरकार तो उन्हें एक द्वीप में बसाने जा रही है-रोहिंग्या संकट दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ रहा शरणार्थी संकट है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017 तक लगभग चार लाख रोहिंग्या मुसलमान शरणार्थी कैंपों में रह रहे थे। उल्लेखनीय है कि इस समुदाय में जनसंख्या वृद्धि का दर बहुत तेज है, जिसकी वजह से इन्हें शरण देने वाले म्यांमार से लेकर बांग्लादेश के लिए यह मुसीबत बन चुके हैं। भारत में यह लगातार घुसपैठ करने की कोशिश करते रहते हैं।

रोहिंग्या मूल रूप से म्यांमार देश के रखाइन राज्य और बांग्लादेश के चटगांव इलाके में बसे थे। 1400 ईस्वी के आस-पास बर्मा (आज के म्यांमार) के ऐतिहासिक अराकान प्रांत (आज के रखाइन राज्य) में आकर रहने लगे थे। इनमें से बहुत से लोग 1430 में अराकान पर शासन करने वाले बौद्ध राजा नारामीखला के राज दरबार में नौकर थे। बढ़ती आबादी, अपराध व अन्य गतिविधियों में लिप्तता की वजह से 1982 में राष्ट्रीयता कानून पास करने के बाद इन्हें नागरिकता देने से इंकार कर दिया गया। भारत सरकार ने वर्ष 2017 में संसद में बताया था कि भारत में 14,000 से अधिक रोहिंग्या रह रहे हैं। यह वह संख्या है जो संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर से पंजीकृत हैं। यद्यपि सहायता एजेंसियों का अनुमान है कि देश में करीब 40,000 रोहिंग्या रह रहे हैं।

रेल यात्रियों को दी बड़ी राहत, रद ट्रेनों के टिकट रिफंड की अवधि को बढ़ाई

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। कोरोना काल में कैंसल हुई नियमित ट्रेनों के टिकट का पैसा वापस लेने की अवधि 6 महीने से बढ़ाकर 9 महीने कर दी गई है। रेल मंत्रालय ने कोरोना संकट के कारण पिछले वर्ष 21 मार्च से 30 जून के बीच की यात्रा के लिए रद हुई ट्रेनों के काउंटर टिकटों के रिफंड दावे की समयावधि को बढ़ा दिया है। इसके पहले मंत्रालय ने यह सुविधा बढ़ाकर छह महीने कर दिया था।

मंत्रालय ने बताया है कि उक्त समयावधि के दौरान यात्रा की तिथि से पीआरएस काउंटर टिकटों को नौ महीने तक आरक्षण काउंटरों पर रद करा कर रिफंड लिया जा सकेगा। पूर्व में तय छह महीने की अवधि बीतने के बाद भी कई यात्रियों ने रेलवे जोनल कार्यालयों में रिफंड के लिए टिकट और आवेदन भेजे थे। उन्हें भी पूरा रिफंड मिलेगा। मालूम हो कि गत वर्ष मार्च में लॉकडाउन घोषित किए जाने पर रेलवे ने सभी नियमित ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया था। उस समय टिकट रद कराने की अवधि तीन दिन से बढ़ाकर तीन महीना करने की घोषणा की थी, जिसे मई में छह महीने तक विस्तारित किया गया। यह कदम काउंटरों पर टिकट रिफंड कराने वालों की भीड़ नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया था। 6 माह की अवधि गुजरने के बाद भी हजारों यात्रियों के टिकट अबतक कैंसल नहीं हो पाए हैं।

नौ जनवरी की मध्यरात्रि रेलवे की आरक्षण और पूछताछ सेवा साढ़े तीन घंटे तक बंद रहेगी। उत्तर रेलवे मुख्यालय अपनी दिल्ली स्थित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अपग्रेड करेगा। इस कारण नौ जनवरी की रात 11:45 से जनवरी तड़के 3:15 बजे तक पीआरएस से जुड़ी सभी सेवाएं बंद रहेंगी। ऐसे में करेंट काउंटर पर रिजर्वेशन व निरस्तीकरण नहीं होगा। साथ ही ट्रेनों की चार्टिंग और 139 पर यात्री पूछताछ सेवाएं, आइआरसीटीसी की वेबसाइट पर ई-टिकटों की बुकिंग भी बंद रहेगी। उधर, खेल मंत्री किरण रिजिजू ने केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल से खिलाड़ियों के यात्री किराये में रियायत बहाल करने की मांग की है। खेल मंत्री ने गोयल को इस संबंध में एक पत्र लिखा है। इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) भी पत्र लिख चुका हूं। खेल मंत्री ने पत्र में लिखा, मैं आपको रियायत को लेकर यह पत्र लिख रहा हूं। मैं चाहता हूं कि खिलाड़ियों को यात्री किराये में जो रियायत मिलती है, उसे दोबारा से शुरू किया जाए।

कांग्रेस की कार्यकारिणी से नाखुश हैं पार्टी नेता, आलाकमान तक पहुंचा मामला

जयपुर । करीब 6 माह की जद्दोजहद के बाद राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बनी तो सही, लेकिन अब पार्टी नेताओं ने विरोध के स्वर उठाना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी के बीच खींचतान इस हद तक बढ़ी कि कई वरिष्ठ नेता पदाधिकारी बनने से रह गए। हालात यह हो गए कि डोटासरा अपने खास समर्थकों को भी पदाधिकारी नहीं बनवा सके।

कार्यकारिणी गठित होने के बाद प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव गिरिराज गर्ग ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वैश्य समाज को सही प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। उन्होंने कहा, पिछली कार्यकारिणी में वैश्य समाज के 10 नेताओं को पदाधिकारी बनाया गया था, लेकिन इस बार एक भी नेता को पद नहीं दिया गया। इससे वैश्य समाज में नाराजगी बढ़ी है।

गर्ग का कहना है कि वैश्य समाज से एक भी पदाधिकारी नहीं बनाया जाना बड़ी चूक है। वहीं राज्य सरकार में परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कार्यकारिणी में राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वे इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे।

उन्होंने कहा कि सूची तैयार करने से पहले प्रदेश अध्यक्ष ने मुझसे कोई बात नहीं की, राजपूत समाज को उचित स्थान मिलना चाहिए। कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सैन ने भी अन्य पिछड़ा वर्ग को कार्यकारिणी में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग ने हमेशा पार्टी का साथ दिया है, लेकिन इस बार कार्यकारिणी में सही प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। कांग्रेस की महिला नेताओं ने भी महिलाओं को कम स्थान मिलने पर नाराजगी जताते हुए अजय माकन तक अपनी बात पहुंचाई है।

ओडिशा हाईकोर्ट में स्कूल फीस विवाद मामले की सुनवाई खत्म, फैसला सुरक्षित

कटक । स्कूल फीस विवाद को लेकर हाईकोर्ट में दायर मामले की सुनवाई गुरुवार को खत्म हुई है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डॉ जस्टिस एस.मुरलीधर और न्यायाधीश डॉ जस्टिस वी.आर षड़ंगी को लेकर गठित खंडपीठ मामले की सुनवाई खत्म कर राय को सुरक्षित रखा है। गुरुवार को इस मामला संबंधित सुनवाई विस्तार से चली। डेढ़ घंटे की सुनवाई के दौरान तमाम पक्षों को खंडपीठ ने अपना पक्ष रखने के लिए पूरा मौका दिया और विस्तृत से सुनवाई किया।

सुनवाई के दौरान विद्यालय व गण शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक के प्रस्ताव और एमओयू के बारे में अभिभावक संघ के वकील ध्यान केंद्रित करते हुए उसे कार्य में लाए जाने के लिए बहस में दर्शाए। दूसरी और कुछ निजी स्कूल संघ की ओर से सुनवाई के दौरान एमओयू का विरोध किया गया। लेकिन हाईकोर्ट के खंडपीठ स्कूल फीस छूट संबंधित एमओयू के ऊपर काफी अहमियत दी है। जो पक्ष एमओयू का विरोध कर रहे हैं वह अलग से मामला दायर कर सकेंगे यह बात खंडपीठ ने स्पष्ट किया है।

इस मामले की सुनवाई खत्म होने से अभिभावकों को राहत मिली है। ओडिशा अभिभावक संघ के अध्यक्ष बासुदेव भट्ट और सह अध्यक्ष प्रसन्न बिसोई ने काफी खुशी जताते हुए गण माध्यम से कहा है निश्चित तौर पर आशा अनुकूल राय मिलेगी।

हाईकोर्ट के निर्देश के तहत गण शिक्षा विभाग के सचिव को लेकर आयोजित बैठक में स्कूल संघ अभिभावक संघ आदि के अधिकारियों को लेकर बैठक हुई थी और एमओयू तैयार की गई थी। उस एमओयू के तहत स्कूल फीस के आधार पर स्लैब तैयार की गई थी। उस स्लैब के तहत 7.5 फ़ीसदी से लेकर 26 फ़ीसदी तक फीस की रिआयत देने के लिए सहमति हुई थी।

कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करने के साथ यहां के बच्चों का भविष्य भी संवार रही सेना

श्रीनगर । श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र लावेपोरा में गत माह मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराने वाली सेना की छवि को खराब करने के लिए इस समय राष्ट्र विरोधी तत्व जीतोड़ प्रयास कर रहे हैं। यही नहीं स्थानीय लोगों का समर्थन पाने का हर दम अवसर ढूंढने वाले कश्मीर केंद्रित दल भी इसको तूल देते नजर आ रहे हैं। वहीं इन झूठे आरोपों की परवाह न करते हुए कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखते हुए सेना यहां के बच्चों का भविष्य संवारने में लगी हुई है।

उत्तरी कश्मीर के जिला बारामूला में जरूरतमंद छात्रों के लिए सेना मुफ्त ट्यूशन सेंटर शुरू किया है। गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों के मेधावी बच्चों के लिए सेना ने सोपोर के तारजू क्षेत्र में यह मुफ्त कक्षाएं सरकारी मिडिल स्कूल में शुरू की हैं। सोपोर के आस-पास के गांवों से करीब 50 बच्चे जिनमें 30 लड़कियां और 20 लड़के शामिल हैं, इस ट्यूशन सेंटर में पहुंच रहे हैं। इस ट्यूशन सेंटर में नौवीं से लेकर बारहवीं तक के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।

नौवीं कक्षा की छात्रा नेलोफर रशीद ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से स्कूलों में पढ़ाई बंद होने के कारण उनकी पढ़ाई काफी प्रभावित हो रही थी। हम सेना के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने हमें मुफ्त ट्यूशन प्रदान की। उन्होंने कहा कि सेना के इस ट्यूशन सेंटर में उन्हें नौंवी कक्षा की अधूरी रह गई पढ़ाई को पूरा करने के साथ-साथ बोर्ड परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जा रहा है।

यह पहल हैदरबेग सेक्टर में स्थित अपलोना राइफल्स बटालियन के निंग्ली आर्मी कैंप द्वारा की गई है। सैन्य अधिकारी ने बताया कि इस ट्यूशन सेंटर में पढ़ाने वाले अध्यापक स्थानीय ही हैं। अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, उर्दू सहित अन्य विषयों में विशाल अनुभव रखने वाले पांच स्थानीय शिक्षकों को इन बच्चों को पढ़ाने के लिए चुना गया है। हिलाल अहमद ने कहा, मैं यहां उर्दू पढ़ा रहा हूं, यहां पढ़ने के लिए उन्हें किसी तरह की फीस नहीं देनी पड़ती।

कोचिंग के दौरान बच्चों की समय-समय पर परीक्षाएं भी ली जाएंगी। यही नहीं कोर्स पूरा होने पर फाइनल टेस्ट लिए जाएंगे। सेंटर में आने वाले सभी बच्चों को सेना की ओर से मुफ्त स्टेशनरी भी प्रदान की जा रही है। कोरोना को लेकर जरूरी निशा-निर्देशों का भी यहां सख्ती से पालन किया जा रहा है। रोजाना तापमान की जांच की जाती है, फेस मॉस्क की व्यवस्था, हैंड सैनिटाइजर भी उपलब्ध करवाए गए हैं।

यही नहीं कक्षा आरंभ होने से पहले पूरी कक्षा को भी अच्छी तरह से सैनिटाइज किया जाता है। स्थानीय लोगों ने सेना के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इन निशुल्क ट्यूशन सेंटर की वजह से क्षेत्र के गरीब व जरूरतमंद बच्चों को काफी लाभ पहुंच रहा है। इनमें अधिकतर ऐसे बच्चे हैं जो पढ़ाई में बहुत अच्छे हैं परंतु आर्थिक तंगी की वजह से उन्हें पढ़ाई जारी रखने में बाधा आ रही थी। सेना ने न सिर्फ उनके भविष्य को अंधकार में डूबने से बचाया है बल्कि उन्हें जीवन में सफलता की ओर बढ़ने का मौका प्रदान किया है।

वहीं सैन्य अधिकारी ने कहा कि कश्मीर में अशांति फैलाने वाले राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ उनकी जंग जारी है परंतु इसके बीच वे सेना और आम लोगों के बीच के रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय-समय पर ऐसे कदम उठाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के हित में किए गए इन कार्यों की वजह से सेना और आम लोगों के संबंध मजबूत हुए हैं। उनका प्रयास रहेगा कि वह आगे भी इसी तरह स्थानीय लोगों की मदद करते रहें। उन्होंने कहा कि ट्यूशन कक्षाएं आयोजित करने का उद्देश्य घाटी के दूरदराज इलाकों में रहने वाले बच्चे जो ऑनलाइन कक्षाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं, उनकी पढ़ाई में बाधा न आए। इन कक्षाओं के आयोजन से उन्हें काफी लाभ पहुंचा है।

बर्फबारी, बारिश थमी तो शुरू हुआ शीतलहर का प्रकोप

जम्मू । पांच दिनों तक हुई बारिश, बर्फबारी के बाद वीरवार को मौसम हल्का साफ हुआ तो पूरे जम्मू-कश्मीर में शीतलहर का प्रकोप शुरू हो गया है।गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज करने के साथ कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई।मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर से मिजली जानकारी अनुसार श्रीनगर में पिछली रात तापमान शून्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

पहलगाम में पारा शून्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे, पिछली रात 2.5 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में माइनस 1.8 डिग्री सेल्सियस, पिछली रात 0.2 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा में माइनस 1.7 डिग्री सेल्सियस जबकि कोकरनाग में माइनस 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम में हुए सुधार के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुल गया है।ट्रैफिक कंट्रोल रुम रामबन से मिली जानकारी अनुसार आज फंसी हुई गाड़ियों को पहले निकाला जाएगा।

कश्मीर मध्य चिल्ल-ए-कलां में है।40 दिनों की शीतकालीन अवधि जो 21 दिसंबर को शुरू होती है और 31 जनवरी को समाप्त होती है। इस अवधि को सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है।इस समय बर्फबारी की संभावना सबसे ज्यादा रहती है।

जम्मू में रात को हल्की बारिश हुई। उसके बाद कोहरा छाया हुआ है।कोहरे के साथ ही शीतलहर का प्रकोप फिर से शुरू हो गया है।भद्रवाह की रात सबसे ठंडी रही। भद्रवाह का न्यूनतम तापमान -0.3 डिग्री सेल्सियस रहा। बनिहाल का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

जम्मू का अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।बनिहाल का अधिकतम तापमान 11.4 जबकि न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बटोत का अधिकतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस रहा। माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा का अधिकतम तापमान 18.0 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। भद्रवाह अधिकतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर से मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार को अंशिक बादल छाए रहेंगे वहीं श्रीनगर में भी बादल छाए रहेंगे।

सबसे लोकप्रिय व्यावसायिक शहर के रूप में कोलकाता के साल्टलेक सिटी का जलवा कायम

कोलकाता । वर्ष 2020 के दौरान कोलकाता में कार्यालय स्थलों के लिए 0.09 मिलियन वर्ग मीटर (0.92 मिलियन वर्गफीट) का सौदा हुआ है। इसकी जानकारी नाइट फ्रैंक इंडिया की ओर से कोलकाता में जारी प्रमुख अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट - इंडिया रियल एस्टेट = एच2 2020 - के 14वें संस्करण में दी गई है। रिपोर्ट में जुलाई- दिसंबर 2020 (2020 की दूसरी छमाही) के लिए आठ प्रमुख शहरों में ऑफिस और रेसिडेंशियल स?पेस के बाजार के प्रदर्शन का विस्तृत विश्लेषण किया गया है।

इस मौके पर नाइट फ्रैंक इंडिया के शाखा निदेशक-कोलकाता, स्वपन दत्ता ने यहां जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 की पहली तिमाही में 0.04 मिलियन वर्गमीटर (0.47 मिलियन वर्गफीट) के सौदे के साथ साल की शुरुआत 2019 के त्रैमासिक औसत पर 138 फीसद वृद्धि के साथ शानदार ढंग से हुई। किन्तु वैश्विक महामारी जनित लॉकडाउन के कारण 2020 की दूसरी तिमाही में लीज का कारोबार न्यूनतम स्तर पर रहा। लॉकडाउन खुलने के साथ जैसे-जैसे स्थिति सामान्य होने लगी, 2020 की तीसरी तिमाही में कार्यालय के लिए 2019 के तिमाही औसत के मुकाबले 62 फीसद ज्यादा लीज का कारोबार हुआ।

2020 की दूसरी तिमाही में शहर में सौदे का औसत आकार 1,313 वर्गमीटर (14,400 वर्गफीट) था। इस अवधि में कुल सौदों का करीब 71फीसद छोटे कार्यालय स्थलों के लिए था जो 1,486 वर्गमीटर (16,000 वर्गफीट) तक रहा। इसका श्रेय नई परिस्थिति (न्यू नॉर्मल) में काम करने के लिए सौदों को जाता है, जहां औषधि, परामर्शी, दूरसंचार और मीडिया क्षेत्र की कंपनियों ने सूक्ष्म बाजारों में छोटी जगहों को वरीयता दी। 2020 की दूसरी छमाही में इस शहर में मांग के अपेक्षा आपूर्ति कम थी, जिसके कारण लगातार तीसरे साल बिना बिके घरों के संख्या में गिरावट दर्ज की गई। 2020 में बिना बिके घरों की संख्या में वार्षिक 14 फीसद तक की गिरावट आई।

साल्टलेक सिटी अभी भी सबसे लोकप्रिय कारोबारी शहर

ऑव?यूपायर्स के बीच साल्टलेक सिटी अभी भी सबसे लोकप्रिय कारोबारी शहर बना हुआ है। यहां मुख्य रूप से लीज पर दिए गए कार्यालय स्थान से ही शहर के सौदों के सामान्य परिमाण का निर्धारण हुआ। 2020 की दूसरी छमाही में प्रतिशत परिवर्तन और बिकी इकाइयों की संख्या दोनों पैमाने पर बिक्री के परिमाण में दक्षिण कोलकता का सबसे ज्यादा हिस्सा बरकरार रहा।

वर्ष 2019 की दूसरी छमाही में कुल बिक्री के 35 फीसद हिस्से की तुलना में इस सूक्ष्म बाज़ार का हिस्सा वर्ष 2020 की दूसरी छमाही में तेजी से बढ़कर कोलकाता की कुल बिक्री का 42 फीसद हो गया। विशेषकर जोका, उभरती मेट्रो संयोजकता के कारण आवासीय इकाइयों की खपत के लिए प्रमुख स्थान था।

देश के कोचिंग हब के रूप में प्रसिद्ध राजस्थान के कोटा में अब फिर आएंगे स्टूडेंट्स

जयपुर । देश के कोचिंग हब के रूप में प्रसिद्ध राजस्थान के कोटा में 18 जनवरी को कोचिंग इंस्टीट्यूट्स खोलने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने दो दिन पहले ही कोचिंग संस्थान, कॉलेज और यूनिवर्सिटी व 9वीं से 12 वीं कक्षा तक के स्कूल खोलने की अनुमति दी है।

कोटा में राज्य सरकार द्वारा तय की गई गाइडलाइन की पालना को लेकर कसरत की जा रही है। यहां 10 बड़े और 50 से अधिक छोटे कोचिंग इंस्टीट्यूट्स हैं। इनमें प्रतिवर्ष डेढ़ लाख से अधिक स्टूडेंट्स मेडिकल, इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आते हैं। यहां 3 हजार से अधिक हॉस्टल्स, करीब 1800 मैस व 25 हजार से अधिक पीजी रूम हैं।

कोचिंग हब होने के कारण यहां प्रत्यक्ष रूप से करीब 2 लाख व अप्रत्यक्ष 5 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ हैं। कोटा

में कोचिंग इंडस्ट्री, हॉस्टल्स एवं इनसे जुड़े अन्य कार्यों का करीब 3 हजार करोड़ का सालाना करोबार माना जाता है। कोरोना महामारी के कारण 9 माह तक बंद रहे कोचिंग संस्थानों की आर्थिक स्थिति काफी बिगड़ गई थी। लोगों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था। अब दो दिन पहले सरकार ने कोचिंग संस्थान, हॉस्टल्स फिर से शुरू करने का निर्णय लिया तो स्थानीय लोगों के चहेरों पर खुशी छा गई। संचालक भी तैयारी में जुटे हैं। लॉकडाउन से पहले अपने घरों में गए स्टूडेंट्स अब एक बार शीघ्र ही फिर तैयारी के लिए कोटा आ सकते हैं।

क्लासरूम में क्षमता के 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स को ही बिठाया जाएगा। कोचिंग के प्रवेश द्वार पर प्रत्येक स्टूडेंट का टेम्प्रेचर चैक करने के साथ ही सेनेटाइजेशन कराया जाएगा। कोचिंग में कहीं भी भीड़ एकत्रित नहीं हो इसके प्रबंध किए जा रहे हैं। कोटा शहर के प्रत्येक चौराहे और कोचिंग सेंटर्स के बाहर ÷मास्क नहीं तो प्रवेश नहीं÷ का स्लोगन लिखे बोर्ड लगाए गए हैं। क्लास रूम को प्रतिदिन सेनेटाइज करने का प्रबंध किया जा रहा है। हॉस्टल के एक कमरे में अब एक ही स्टूडेंट को रहने की अनुमति दी जाएगी, पहले दो से तीन स्टूडेंट्स रह सकते थे। मैस में एक साथ भोजन कराने के बजाय स्टूडेंट्स का अलग-अलग समय तय किया जाएगा।

इंस्टाकार्ट व स्विगी पर कर चोरी का सर्वे कर रहा आयकर विभाग

नई दिल्ली । कर चोरी करने वाली ई-कामर्स की कंपनियों पर अब आयकर विभाग की पैनी नजर है। इसीलिए बाहरी वेंडर्स से जुड़े कथित बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में इंस्टाकार्ड (फ्लिपकार्ट ग्रुप की कंपनी) और फूड ऑर्डर-डिलिवरी कंपनी स्विगी के दफ्तर पर सर्वे कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सर्वे डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआइ) के इनपुट पर किया गया है, जोकि जीएसटी चोरी करने वालों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी मुहिम चला रहा है।

सूत्रों ने बताया कि डीजीजीआइ को जीएसटी की चोरी मिली है और इसने केस को आयकर विभाग को रेफर कर दिया है। फ्लिपकार्ट के एक प्रवक्ता ने सर्वे की पुष्टि करते हुए कहा कि आयकर विभाग की ओर से सर्वे किया जा रहा है और कंपनी पूरी तरह सहयोग कर रही है।

फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा, आयकर अधिकारियों ने हमसे संपर्क किया। हम उन्हें सभी सूचनाएं मुहैया करा रहे हैं, जो मांगा जा रहा है और पूरा सहयोग कर रहे हैं। हमारा मानना है कि हम सभी कानूनी आवश्यकताओं का पूर्ण अनुपालन कर रहे हैं। उधर, स्विगी ने बयान जारी कर कहा, कानून का पालन करने वाली कंपनी के रूप में, हम टैक्स और कानूनों का पूरा पालन कर रहे हैं। आइटी अधिकारियों द्वारा सर्वेक्षण चल रहा है और हमारी

कोरोना के कारण छूटी नौकरी तो सिक्योरिटी गार्ड बना कैफे 18 का मालिक, हर माह करता है मोटी कमाई

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे में एक सुरक्षा गार्ड ने दिसंबर 2019 में अपनी नौकरी खोने के बाद कोरोना काल में नए काम धंधे की शुरुआत की। 28 वर्षीय रेवन शिंदे ने अपना कैफे खोलकर एक अछे व्यवसाय की शुरुआत कर लोगों के सामने एक बेहतर मिसाल पेश की है। रेवन शिंदे एक सुरक्षा गार्ड के रूप में एक कंपनी के साथ काम करते थे लेकिन अचानक नौकरी चली गई। पुणे के पिंपरी-चिंचवााड इलाके में रहने वाले शिंदे ने हिम्मत नहीं हारी और कैफे की शुरुआत की। शिंदे अब पुणे में एक खाद्य आउटलेट कैफे 18 के मालिक हैं। रेवन प्रतिदिन 600-700 कप चाय बेचते हैं। रेवन अपनी टीम के साथ 50,000- 60,000 रुपये मासिक का लाभ कमाते हैं।

रेवन शिंदे कई कॉर्पोरेट कार्यालयों और औद्योगिक श्रमिकों को चाय और कॉफी की आपूर्ति करते हैं। रेवन ने बताया, कोरोना मानदंडों में ढील और कार्यालयों के फिर से खुलने के बाद, लोगों को चाय मिलना मुश्किल हो गया था। उन्होंने अपने इस स्टॉल से ग्राहकों को चाय उपलब्ध करवायी। धीरे-धीरे ये लोग मेरे नियमित ग्राहक बन गए। उन्होंने कहा, ÷हमने प्रतिक्रिया देखने के लिए मुफ्त में चाय और कॉफी देने का फैसला किया। अब, हम रोजाना लगभग 600-700 कप चाय बेचते हैं।

गौरतलब है कि देश में सबसे यादा कोरोना संक्रमण के मामले महाराष्ट्र में ही सामने आ रहे हैं और पुणे में इसका सबसे अधिक प्रकोप देखा गया है। महाराष्ट्र में वीरवार को कोरोना संक्रमण के 3,729 नए मामले सामने आये और 72 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई। 3,350 संक्रमितों को इलाज के बाद अस्पताल से घर भेज दिया गया।

एक नजर

भारती घोष का अभिषेक बनर्जी पर करारा हमला, कहा- भय और आशंका में कट रहे तोलाबाज खोकाबाबू के दिन-रात

कोलकाता । प्रदेश भाजपा की उपाध्यक्ष व पूर्व आइपीएस अधिकारी भारती घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए करारा हमला बोला है।पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सबंग में एक सभा को संबोधित करते हुए घोष ने अभिषेक का नाम लिए बिना कहा कि खोकाबाबू के दिन-रात अभी भय और आशंका में कट रहे हैं। न जाने कब विनय मिश्रा गिरफ्तार हो जाये, न जाने कब लाला पकड़ा जाए। उन्होंने कहा कि गो व कोयला तस्करी के मामले में आरोपित तृणमूल नेता विनय मिश्रा को फिलहाल भगा दिया गया है। वे दुबई चले गये हैं। पकड़े जाने पर खोकाबाबू को भी जेल जाना पड़ सकता है। वहीं, कोयला तस्करी का कथित सरगना लाला पहले से फरार चल रहा है। भाषण के दौरान भारती घोष ने 'फरार लाला, हिरासत में एनामुल, अरे दूर हो जाओ तृणमूल', खोकाबाबू तोलाबाज, उखाड़ फेंको तृणमूल राज' जैसे नारे भी लगवाए। उन्होंने कहा, राज्य में खोकाबाबू तोलाबाजी कर रहे हैं। जो लोग कुछ दिनों पहले तक निम्न मध्य वर्ग के थे, अचानक उनके पास करोड़ों का मकान हो गया। करोड़ों की संपत्ति हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विनय मिश्रा, एनामुल, लाला जैसे तस्करी के माफियाओं से रुपये की उगाही करके आज कालीघाट जैसे इलाके में माननीय (ममता बनर्जी) और उनके परिवार के पास करोड़ों रुपये के 36 फ्लैट हैं। कहा- एम्फन राहत के लिए मोदी सरकार ने 1000 करोड़ रुपये दिए, पर तृणमूल के नेता-मंत्री खाकर मोटे हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में एम्फन तूफान में टूटे लोगों के घरों को बनाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने 1000 करोड़ रुपये दिये, जिसे तृणमूल के नेता-मंत्री खाकर मोटे हो गए। भारती ने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे द्वारे-द्वारे सरकार कार्यक्रम पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ममता बनर्जी द्वारे-द्वारे सरकार चला रही है, जबकि यहां गली-गली में बोरोजगार पड़े हुए हैं। 42 लाख राज्य के श्रमिक दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए जाने को मजबूर हैं। राज्य की जनता लांछित, वंचित, अपमानित हैं। महिलाएं भयभीत हैं, शिक्षक अपमानित हो रहे हैं। राज्य के डॉक्टर व वकील मार खा रहे हैं। बचानेवाली पुलिस डर के मारे टेबुल के नीचे छुप जाते हैं। अगर कोई तृणमूल के गुंडों से हिम्मत करके बचाने जाता है तो वह कैंसर घोषित हो जाता है और हटा दिया जाता है। पुलिस भय से थर-थर कांपती है। उन्होंने कहा कि राज्य की ममता सरकार लोगों को जीने के अधिकार से वंचित कर रही है। आयुष्मान भारत जैसी योजना राज्य में लागू होती तो लोग इलाज करवा कर बच तो पाता। वह राज्य में स्वास्थ्य साथी कार्ड के तौर पर झुनझुना पकड़ा रही हैं, जिसको लेकर लोग अस्पताल-अस्पताल दौड़ेंगे और उन्हें चिकित्सा नहीं मिलेगी, क्योंकि अस्पतालों को रुपये देगा कौन कोई बीमा कंपनी तो है नहीं।

राज्य सरकार स्वास्थ्य बजट में जितने रुपये घोषित की है, उससे 1117 रुपये प्रति व्यक्ति होता है, फिर साल का पांच लाख रुपये प्रति व्यक्ति कहां से आयेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य साथी योजना का खूब प्रचार किया जा रहा है। चुनाव के पहले लोगों को इसके जरिये लुभाने की कोशिश हो रही है जबकि स्वास्थ्य साथी योजना राज्य में पहले से है। जिनके पास स्वास्थ्य साथी कार्ड हैं, उन्हें अस्पतालों में चिकित्सा नहीं मिल रही, क्योंकि सरकार अस्पतालों को रुपये मुहैया नहीं करा रही है। यह महज के एक छलावा है।

राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं भारती ने आगे कहा कि राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं। आए दिन उनके साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं। शिक्षित युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही। शिक्षक नौकरी के लिए सड़क पर धरना दे रहे हैं। राज्य में स्थिति बदलने के लिए युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए और लोगों को अपना अधिकार प्राप्त करने के लिए 2021 में भाजपा की सरकार को चुनना होगा।

भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर देश के लिए क्यों खतरा बनते जा रहे हैं रोहिंग्या

नई दिल्ली । आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर से रोहिंग्या अजीजुल हक को पकड़ा है। वर्ष 2017 से अवैध ढंग से भारत में रह रहे अजीजुल के खाते में आई रकम को लेकर छानबीन शुरू कर दी गई है। गुरुवार को लखनऊ कोर्ट में आरोपित और अवैध पासपोर्ट सहित अन्य फर्जी दस्तावेज पेश करते हुए एटीएस ने टेरर फंडिंग की आशंका जाहिर की है। यह पहला मौका नहीं है। बीते सालों में कई बार ऐसे मामले सामने आए हैं जिसमें आतंकवादी गतिविधियों से लेकर अपराध में रोहिंग्या शामिल पाए गए। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रोहिंग्या अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। बांग्लादेश सरकार तो उन्हें एक द्वीप में बसाने जा रही है-रोहिंग्या संकट दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ रहा शरणार्थी संकट है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017 तक लगभग चार लाख रोहिंग्या मुसलमान शरणार्थी कैंपों में रह रहे थे। उल्लेखनीय है कि इस समुदाय में जनसंख्या वृद्धि का दर बहुत तेज है, जिसकी वजह से इन्हें शरण देने वाले म्यांमार से लेकर बांग्लादेश के लिए यह मुसीबत बन चुके हैं। भारत में यह लगातार घुसपैठ करने की कोशिश करते रहते हैं।

रोहिंग्या मूल रूप से म्यांमार देश के रखाइन राज्य और बांग्लादेश के चटगांव इलाके में बसे थे। 1400 ईस्वी के आस-पास बर्मा (आज के म्यांमार) के ऐतिहासिक अराकान प्रांत (आज के रखाइन राज्य) में आकर रहने लगे थे। इनमें से बहुत से लोग 1430 में अराकान पर शासन करने वाले बौद्ध राजा नारामीखला के राज दरबार में नौकर थे। बढ़ती आबादी, अपराध व अन्य गतिविधियों में लिप्तता की वजह से 1982 में राष्ट्रीयता कानून पास करने के बाद इन्हें नागरिकता देने से इंकार कर दिया गया। भारत सरकार ने वर्ष 2017 में संसद में बताया था कि भारत में 14,000 से अधिक रोहिंग्या रह रहे हैं। यह वह संख्या है जो संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी यूएनएचसीआर से पंजीकृत हैं। यद्यपि सहायता एजेंसियों का अनुमान है कि देश में करीब 40,000 रोहिंग्या रह रहे हैं।

रेल यात्रियों को दी बड़ी राहत, रद ट्रेनों के टिकट रिफंड की अवधि को बढ़ाई

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। कोरोना काल में कैंसल हुई नियमित ट्रेनों के टिकट का पैसा वापस लेने की अवधि 6 महीने से बढ़ाकर 9 महीने कर दी गई है। रेल मंत्रालय ने कोरोना संकट के कारण पिछले वर्ष 21 मार्च से 30 जून के बीच की यात्रा के लिए रद हुई ट्रेनों के काउंटर टिकटों के रिफंड दावे की समयावधि को बढ़ा दिया है। इसके पहले मंत्रालय ने यह सुविधा बढ़ाकर छह महीने कर दिया था।

मंत्रालय ने बताया है कि उक्त समयावधि के दौरान यात्रा की तिथि से पीआरएस काउंटर टिकटों को नौ महीने तक आरक्षण काउंटरों पर रद करा कर रिफंड लिया जा सकेगा। पूर्व में तय छह महीने की अवधि बीतने के बाद भी कई यात्रियों ने रेलवे जोनल कार्यालयों में रिफंड के लिए टिकट और आवेदन भेजे थे। उन्हें भी पूरा रिफंड मिलेगा। मालूम हो कि गत वर्ष मार्च में लॉकडाउन घोषित किए जाने पर रेलवे ने सभी नियमित ट्रेनों का संचालन निलंबित कर दिया था। उस समय टिकट रद कराने की अवधि तीन दिन से बढ़ाकर तीन महीना करने की घोषणा की थी, जिसे मई में छह महीने तक विस्तारित किया गया। यह कदम काउंटरों पर टिकट रिफंड कराने वालों की भीड़ नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया था। 6 माह की अवधि गुजरने के बाद भी हजारों यात्रियों के टिकट अबतक कैंसल नहीं हो पाए हैं।

नौ जनवरी की मध्यरात्रि रेलवे की आरक्षण और पूछताछ सेवा साढ़े तीन घंटे तक बंद रहेगी। उत्तर रेलवे मुख्यालय अपनी दिल्ली स्थित पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अपग्रेड करेगा। इस कारण नौ जनवरी की रात 11:45 से जनवरी तड़के 3:15 बजे तक पीआरएस से जुड़ी सभी सेवाएं बंद रहेंगी। ऐसे में करेंट काउंटर पर रिजर्वेशन व निरस्तीकरण नहीं होगा। साथ ही ट्रेनों की चार्टिंग और 139 पर यात्री पूछताछ सेवाएं, आइआरसीटीसी की वेबसाइट पर ई-टिकटों की बुकिंग भी बंद रहेगी। उधर, खेल मंत्री किरण रिजिजू ने केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल से खिलाड़ियों के यात्री किराये में रियायत बहाल करने की मांग की है। खेल मंत्री ने गोयल को इस संबंध में एक पत्र लिखा है। इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) भी पत्र लिख चुका हूं। खेल मंत्री ने पत्र में लिखा, मैं आपको रियायत को लेकर यह पत्र लिख रहा हूं। मैं चाहता हूं कि खिलाड़ियों को यात्री किराये में जो रियायत मिलती है, उसे दोबारा से शुरू किया जाए।

कांग्रेस की कार्यकारिणी से नाखुश हैं पार्टी नेता, आलाकमान तक पहुंचा मामला

जयपुर । करीब 6 माह की जद्दोजहद के बाद राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी बनी तो सही, लेकिन अब पार्टी नेताओं ने विरोध के स्वर उठाना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी.जोशी के बीच खींचतान इस हद तक बढ़ी कि कई वरिष्ठ नेता पदाधिकारी बनने से रह गए। हालात यह हो गए कि डोटासरा अपने खास समर्थकों को भी पदाधिकारी नहीं बनवा सके।

कार्यकारिणी गठित होने के बाद प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव गिरिराज गर्ग ने आपत्ति जताते हुए कहा कि वैश्य समाज को सही प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। उन्होंने कहा, पिछली कार्यकारिणी में वैश्य समाज के 10 नेताओं को पदाधिकारी बनाया गया था, लेकिन इस बार एक भी नेता को पद नहीं दिया गया। इससे वैश्य समाज में नाराजगी बढ़ी है।

गर्ग का कहना है कि वैश्य समाज से एक भी पदाधिकारी नहीं बनाया जाना बड़ी चूक है। वहीं राज्य सरकार में परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कार्यकारिणी में राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि वे इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे।

उन्होंने कहा कि सूची तैयार करने से पहले प्रदेश अध्यक्ष ने मुझसे कोई बात नहीं की, राजपूत समाज को उचित स्थान मिलना चाहिए। कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सैन ने भी अन्य पिछड़ा वर्ग को कार्यकारिणी में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन को पत्र लिखा है।

उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग ने हमेशा पार्टी का साथ दिया है, लेकिन इस बार कार्यकारिणी में सही प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। कांग्रेस की महिला नेताओं ने भी महिलाओं को कम स्थान मिलने पर नाराजगी जताते हुए अजय माकन तक अपनी बात पहुंचाई है।

ओडिशा हाईकोर्ट में स्कूल फीस विवाद मामले की सुनवाई खत्म, फैसला सुरक्षित

कटक । स्कूल फीस विवाद को लेकर हाईकोर्ट में दायर मामले की सुनवाई गुरुवार को खत्म हुई है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डॉ जस्टिस एस.मुरलीधर और न्यायाधीश डॉ जस्टिस वी.आर षड़ंगी को लेकर गठित खंडपीठ मामले की सुनवाई खत्म कर राय को सुरक्षित रखा है। गुरुवार को इस मामला संबंधित सुनवाई विस्तार से चली। डेढ़ घंटे की सुनवाई के दौरान तमाम पक्षों को खंडपीठ ने अपना पक्ष रखने के लिए पूरा मौका दिया और विस्तृत से सुनवाई किया।

सुनवाई के दौरान विद्यालय व गण शिक्षा विभाग के सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक के प्रस्ताव और एमओयू के बारे में अभिभावक संघ के वकील ध्यान केंद्रित करते हुए उसे कार्य में लाए जाने के लिए बहस में दर्शाए। दूसरी और कुछ निजी स्कूल संघ की ओर से सुनवाई के दौरान एमओयू का विरोध किया गया। लेकिन हाईकोर्ट के खंडपीठ स्कूल फीस छूट संबंधित एमओयू के ऊपर काफी अहमियत दी है। जो पक्ष एमओयू का विरोध कर रहे हैं वह अलग से मामला दायर कर सकेंगे यह बात खंडपीठ ने स्पष्ट किया है।

इस मामले की सुनवाई खत्म होने से अभिभावकों को राहत मिली है। ओडिशा अभिभावक संघ के अध्यक्ष बासुदेव भट्ट और सह अध्यक्ष प्रसन्न बिसोई ने काफी खुशी जताते हुए गण माध्यम से कहा है निश्चित तौर पर आशा अनुकूल राय मिलेगी।

हाईकोर्ट के निर्देश के तहत गण शिक्षा विभाग के सचिव को लेकर आयोजित बैठक में स्कूल संघ अभिभावक संघ आदि के अधिकारियों को लेकर बैठक हुई थी और एमओयू तैयार की गई थी। उस एमओयू के तहत स्कूल फीस के आधार पर स्लैब तैयार की गई थी। उस स्लैब के तहत 7.5 फ़ीसदी से लेकर 26 फ़ीसदी तक फीस की रिआयत देने के लिए सहमति हुई थी।

कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करने के साथ यहां के बच्चों का भविष्य भी संवार रही सेना

श्रीनगर । श्रीनगर के बाहरी क्षेत्र लावेपोरा में गत माह मुठभेड़ में तीन आतंकियों को मार गिराने वाली सेना की छवि को खराब करने के लिए इस समय राष्ट्र विरोधी तत्व जीतोड़ प्रयास कर रहे हैं। यही नहीं स्थानीय लोगों का समर्थन पाने का हर दम अवसर ढूंढने वाले कश्मीर केंद्रित दल भी इसको तूल देते नजर आ रहे हैं। वहीं इन झूठे आरोपों की परवाह न करते हुए कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखते हुए सेना यहां के बच्चों का भविष्य संवारने में लगी हुई है।

उत्तरी कश्मीर के जिला बारामूला में जरूरतमंद छात्रों के लिए सेना मुफ्त ट्यूशन सेंटर शुरू किया है। गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवारों के मेधावी बच्चों के लिए सेना ने सोपोर के तारजू क्षेत्र में यह मुफ्त कक्षाएं सरकारी मिडिल स्कूल में शुरू की हैं। सोपोर के आस-पास के गांवों से करीब 50 बच्चे जिनमें 30 लड़कियां और 20 लड़के शामिल हैं, इस ट्यूशन सेंटर में पहुंच रहे हैं। इस ट्यूशन सेंटर में नौवीं से लेकर बारहवीं तक के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है।

नौवीं कक्षा की छात्रा नेलोफर रशीद ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद से स्कूलों में पढ़ाई बंद होने के कारण उनकी पढ़ाई काफी प्रभावित हो रही थी। हम सेना के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने हमें मुफ्त ट्यूशन प्रदान की। उन्होंने कहा कि सेना के इस ट्यूशन सेंटर में उन्हें नौंवी कक्षा की अधूरी रह गई पढ़ाई को पूरा करने के साथ-साथ बोर्ड परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जा रहा है।

यह पहल हैदरबेग सेक्टर में स्थित अपलोना राइफल्स बटालियन के निंग्ली आर्मी कैंप द्वारा की गई है। सैन्य अधिकारी ने बताया कि इस ट्यूशन सेंटर में पढ़ाने वाले अध्यापक स्थानीय ही हैं। अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, उर्दू सहित अन्य विषयों में विशाल अनुभव रखने वाले पांच स्थानीय शिक्षकों को इन बच्चों को पढ़ाने के लिए चुना गया है। हिलाल अहमद ने कहा, मैं यहां उर्दू पढ़ा रहा हूं, यहां पढ़ने के लिए उन्हें किसी तरह की फीस नहीं देनी पड़ती।

कोचिंग के दौरान बच्चों की समय-समय पर परीक्षाएं भी ली जाएंगी। यही नहीं कोर्स पूरा होने पर फाइनल टेस्ट लिए जाएंगे। सेंटर में आने वाले सभी बच्चों को सेना की ओर से मुफ्त स्टेशनरी भी प्रदान की जा रही है। कोरोना को लेकर जरूरी निशा-निर्देशों का भी यहां सख्ती से पालन किया जा रहा है। रोजाना तापमान की जांच की जाती है, फेस मॉस्क की व्यवस्था, हैंड सैनिटाइजर भी उपलब्ध करवाए गए हैं।

यही नहीं कक्षा आरंभ होने से पहले पूरी कक्षा को भी अच्छी तरह से सैनिटाइज किया जाता है। स्थानीय लोगों ने सेना के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इन निशुल्क ट्यूशन सेंटर की वजह से क्षेत्र के गरीब व जरूरतमंद बच्चों को काफी लाभ पहुंच रहा है। इनमें अधिकतर ऐसे बच्चे हैं जो पढ़ाई में बहुत अच्छे हैं परंतु आर्थिक तंगी की वजह से उन्हें पढ़ाई जारी रखने में बाधा आ रही थी। सेना ने न सिर्फ उनके भविष्य को अंधकार में डूबने से बचाया है बल्कि उन्हें जीवन में सफलता की ओर बढ़ने का मौका प्रदान किया है।

वहीं सैन्य अधिकारी ने कहा कि कश्मीर में अशांति फैलाने वाले राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ उनकी जंग जारी है परंतु इसके बीच वे सेना और आम लोगों के बीच के रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय-समय पर ऐसे कदम उठाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के हित में किए गए इन कार्यों की वजह से सेना और आम लोगों के संबंध मजबूत हुए हैं। उनका प्रयास रहेगा कि वह आगे भी इसी तरह स्थानीय लोगों की मदद करते रहें। उन्होंने कहा कि ट्यूशन कक्षाएं आयोजित करने का उद्देश्य घाटी के दूरदराज इलाकों में रहने वाले बच्चे जो ऑनलाइन कक्षाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं, उनकी पढ़ाई में बाधा न आए। इन कक्षाओं के आयोजन से उन्हें काफी लाभ पहुंचा है।

बर्फबारी, बारिश थमी तो शुरू हुआ शीतलहर का प्रकोप

जम्मू । पांच दिनों तक हुई बारिश, बर्फबारी के बाद वीरवार को मौसम हल्का साफ हुआ तो पूरे जम्मू-कश्मीर में शीतलहर का प्रकोप शुरू हो गया है।गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 10.0 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज करने के साथ कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई।मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर से मिजली जानकारी अनुसार श्रीनगर में पिछली रात तापमान शून्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

पहलगाम में पारा शून्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे, पिछली रात 2.5 डिग्री सेल्सियस, काजीगुंड में माइनस 1.8 डिग्री सेल्सियस, पिछली रात 0.2 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा में माइनस 1.7 डिग्री सेल्सियस जबकि कोकरनाग में माइनस 1.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।मौसम में हुए सुधार के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग खुल गया है।ट्रैफिक कंट्रोल रुम रामबन से मिली जानकारी अनुसार आज फंसी हुई गाड़ियों को पहले निकाला जाएगा।

कश्मीर मध्य चिल्ल-ए-कलां में है।40 दिनों की शीतकालीन अवधि जो 21 दिसंबर को शुरू होती है और 31 जनवरी को समाप्त होती है। इस अवधि को सर्दियों का सबसे कठिन समय माना जाता है।इस समय बर्फबारी की संभावना सबसे ज्यादा रहती है।

जम्मू में रात को हल्की बारिश हुई। उसके बाद कोहरा छाया हुआ है।कोहरे के साथ ही शीतलहर का प्रकोप फिर से शुरू हो गया है।भद्रवाह की रात सबसे ठंडी रही। भद्रवाह का न्यूनतम तापमान -0.3 डिग्री सेल्सियस रहा। बनिहाल का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

जम्मू का अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।बनिहाल का अधिकतम तापमान 11.4 जबकि न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। बटोत का अधिकतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस रहा। माता वैष्णो देवी के आधार शिविर कटड़ा का अधिकतम तापमान 18.0 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस रहा। भद्रवाह अधिकतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर से मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार को अंशिक बादल छाए रहेंगे वहीं श्रीनगर में भी बादल छाए रहेंगे।

सबसे लोकप्रिय व्यावसायिक शहर के रूप में कोलकाता के साल्टलेक सिटी का जलवा कायम

कोलकाता । वर्ष 2020 के दौरान कोलकाता में कार्यालय स्थलों के लिए 0.09 मिलियन वर्ग मीटर (0.92 मिलियन वर्गफीट) का सौदा हुआ है। इसकी जानकारी नाइट फ्रैंक इंडिया की ओर से कोलकाता में जारी प्रमुख अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट - इंडिया रियल एस्टेट = एच2 2020 - के 14वें संस्करण में दी गई है। रिपोर्ट में जुलाई- दिसंबर 2020 (2020 की दूसरी छमाही) के लिए आठ प्रमुख शहरों में ऑफिस और रेसिडेंशियल स?पेस के बाजार के प्रदर्शन का विस्तृत विश्लेषण किया गया है।

इस मौके पर नाइट फ्रैंक इंडिया के शाखा निदेशक-कोलकाता, स्वपन दत्ता ने यहां जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 की पहली तिमाही में 0.04 मिलियन वर्गमीटर (0.47 मिलियन वर्गफीट) के सौदे के साथ साल की शुरुआत 2019 के त्रैमासिक औसत पर 138 फीसद वृद्धि के साथ शानदार ढंग से हुई। किन्तु वैश्विक महामारी जनित लॉकडाउन के कारण 2020 की दूसरी तिमाही में लीज का कारोबार न्यूनतम स्तर पर रहा। लॉकडाउन खुलने के साथ जैसे-जैसे स्थिति सामान्य होने लगी, 2020 की तीसरी तिमाही में कार्यालय के लिए 2019 के तिमाही औसत के मुकाबले 62 फीसद ज्यादा लीज का कारोबार हुआ।

2020 की दूसरी तिमाही में शहर में सौदे का औसत आकार 1,313 वर्गमीटर (14,400 वर्गफीट) था। इस अवधि में कुल सौदों का करीब 71फीसद छोटे कार्यालय स्थलों के लिए था जो 1,486 वर्गमीटर (16,000 वर्गफीट) तक रहा। इसका श्रेय नई परिस्थिति (न्यू नॉर्मल) में काम करने के लिए सौदों को जाता है, जहां औषधि, परामर्शी, दूरसंचार और मीडिया क्षेत्र की कंपनियों ने सूक्ष्म बाजारों में छोटी जगहों को वरीयता दी। 2020 की दूसरी छमाही में इस शहर में मांग के अपेक्षा आपूर्ति कम थी, जिसके कारण लगातार तीसरे साल बिना बिके घरों के संख्या में गिरावट दर्ज की गई। 2020 में बिना बिके घरों की संख्या में वार्षिक 14 फीसद तक की गिरावट आई।

साल्टलेक सिटी अभी भी सबसे लोकप्रिय कारोबारी शहर

ऑव?यूपायर्स के बीच साल्टलेक सिटी अभी भी सबसे लोकप्रिय कारोबारी शहर बना हुआ है। यहां मुख्य रूप से लीज पर दिए गए कार्यालय स्थान से ही शहर के सौदों के सामान्य परिमाण का निर्धारण हुआ। 2020 की दूसरी छमाही में प्रतिशत परिवर्तन और बिकी इकाइयों की संख्या दोनों पैमाने पर बिक्री के परिमाण में दक्षिण कोलकता का सबसे ज्यादा हिस्सा बरकरार रहा।

वर्ष 2019 की दूसरी छमाही में कुल बिक्री के 35 फीसद हिस्से की तुलना में इस सूक्ष्म बाज़ार का हिस्सा वर्ष 2020 की दूसरी छमाही में तेजी से बढ़कर कोलकाता की कुल बिक्री का 42 फीसद हो गया। विशेषकर जोका, उभरती मेट्रो संयोजकता के कारण आवासीय इकाइयों की खपत के लिए प्रमुख स्थान था।

देश के कोचिंग हब के रूप में प्रसिद्ध राजस्थान के कोटा में अब फिर आएंगे स्टूडेंट्स

जयपुर । देश के कोचिंग हब के रूप में प्रसिद्ध राजस्थान के कोटा में 18 जनवरी को कोचिंग इंस्टीट्यूट्स खोलने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने दो दिन पहले ही कोचिंग संस्थान, कॉलेज और यूनिवर्सिटी व 9वीं से 12 वीं कक्षा तक के स्कूल खोलने की अनुमति दी है।

कोटा में राज्य सरकार द्वारा तय की गई गाइडलाइन की पालना को लेकर कसरत की जा रही है। यहां 10 बड़े और 50 से अधिक छोटे कोचिंग इंस्टीट्यूट्स हैं। इनमें प्रतिवर्ष डेढ़ लाख से अधिक स्टूडेंट्स मेडिकल, इंजीनियरिंग व अन्य प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आते हैं। यहां 3 हजार से अधिक हॉस्टल्स, करीब 1800 मैस व 25 हजार से अधिक पीजी रूम हैं।

कोचिंग हब होने के कारण यहां प्रत्यक्ष रूप से करीब 2 लाख व अप्रत्यक्ष 5 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ हैं। कोटा

में कोचिंग इंडस्ट्री, हॉस्टल्स एवं इनसे जुड़े अन्य कार्यों का करीब 3 हजार करोड़ का सालाना करोबार माना जाता है। कोरोना महामारी के कारण 9 माह तक बंद रहे कोचिंग संस्थानों की आर्थिक स्थिति काफी बिगड़ गई थी। लोगों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया था। अब दो दिन पहले सरकार ने कोचिंग संस्थान, हॉस्टल्स फिर से शुरू करने का निर्णय लिया तो स्थानीय लोगों के चहेरों पर खुशी छा गई। संचालक भी तैयारी में जुटे हैं। लॉकडाउन से पहले अपने घरों में गए स्टूडेंट्स अब एक बार शीघ्र ही फिर तैयारी के लिए कोटा आ सकते हैं।

क्लासरूम में क्षमता के 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स को ही बिठाया जाएगा। कोचिंग के प्रवेश द्वार पर प्रत्येक स्टूडेंट का टेम्प्रेचर चैक करने के साथ ही सेनेटाइजेशन कराया जाएगा। कोचिंग में कहीं भी भीड़ एकत्रित नहीं हो इसके प्रबंध किए जा रहे हैं। कोटा शहर के प्रत्येक चौराहे और कोचिंग सेंटर्स के बाहर ÷मास्क नहीं तो प्रवेश नहीं÷ का स्लोगन लिखे बोर्ड लगाए गए हैं। क्लास रूम को प्रतिदिन सेनेटाइज करने का प्रबंध किया जा रहा है। हॉस्टल के एक कमरे में अब एक ही स्टूडेंट को रहने की अनुमति दी जाएगी, पहले दो से तीन स्टूडेंट्स रह सकते थे। मैस में एक साथ भोजन कराने के बजाय स्टूडेंट्स का अलग-अलग समय तय किया जाएगा।

इंस्टाकार्ट व स्विगी पर कर चोरी का सर्वे कर रहा आयकर विभाग

नई दिल्ली । कर चोरी करने वाली ई-कामर्स की कंपनियों पर अब आयकर विभाग की पैनी नजर है। इसीलिए बाहरी वेंडर्स से जुड़े कथित बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में इंस्टाकार्ड (फ्लिपकार्ट ग्रुप की कंपनी) और फूड ऑर्डर-डिलिवरी कंपनी स्विगी के दफ्तर पर सर्वे कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सर्वे डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआइ) के इनपुट पर किया गया है, जोकि जीएसटी चोरी करने वालों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी मुहिम चला रहा है।

सूत्रों ने बताया कि डीजीजीआइ को जीएसटी की चोरी मिली है और इसने केस को आयकर विभाग को रेफर कर दिया है। फ्लिपकार्ट के एक प्रवक्ता ने सर्वे की पुष्टि करते हुए कहा कि आयकर विभाग की ओर से सर्वे किया जा रहा है और कंपनी पूरी तरह सहयोग कर रही है।

फ्लिपकार्ट के प्रवक्ता ने कहा, आयकर अधिकारियों ने हमसे संपर्क किया। हम उन्हें सभी सूचनाएं मुहैया करा रहे हैं, जो मांगा जा रहा है और पूरा सहयोग कर रहे हैं। हमारा मानना है कि हम सभी कानूनी आवश्यकताओं का पूर्ण अनुपालन कर रहे हैं। उधर, स्विगी ने बयान जारी कर कहा, कानून का पालन करने वाली कंपनी के रूप में, हम टैक्स और कानूनों का पूरा पालन कर रहे हैं। आइटी अधिकारियों द्वारा सर्वेक्षण चल रहा है और हमारी

कोरोना के कारण छूटी नौकरी तो सिक्योरिटी गार्ड बना कैफे 18 का मालिक, हर माह करता है मोटी कमाई

पुणे । महाराष्ट्र के पुणे में एक सुरक्षा गार्ड ने दिसंबर 2019 में अपनी नौकरी खोने के बाद कोरोना काल में नए काम धंधे की शुरुआत की। 28 वर्षीय रेवन शिंदे ने अपना कैफे खोलकर एक अछे व्यवसाय की शुरुआत कर लोगों के सामने एक बेहतर मिसाल पेश की है। रेवन शिंदे एक सुरक्षा गार्ड के रूप में एक कंपनी के साथ काम करते थे लेकिन अचानक नौकरी चली गई। पुणे के पिंपरी-चिंचवााड इलाके में रहने वाले शिंदे ने हिम्मत नहीं हारी और कैफे की शुरुआत की। शिंदे अब पुणे में एक खाद्य आउटलेट कैफे 18 के मालिक हैं। रेवन प्रतिदिन 600-700 कप चाय बेचते हैं। रेवन अपनी टीम के साथ 50,000- 60,000 रुपये मासिक का लाभ कमाते हैं।

रेवन शिंदे कई कॉर्पोरेट कार्यालयों और औद्योगिक श्रमिकों को चाय और कॉफी की आपूर्ति करते हैं। रेवन ने बताया, कोरोना मानदंडों में ढील और कार्यालयों के फिर से खुलने के बाद, लोगों को चाय मिलना मुश्किल हो गया था। उन्होंने अपने इस स्टॉल से ग्राहकों को चाय उपलब्ध करवायी। धीरे-धीरे ये लोग मेरे नियमित ग्राहक बन गए। उन्होंने कहा, ÷हमने प्रतिक्रिया देखने के लिए मुफ्त में चाय और कॉफी देने का फैसला किया। अब, हम रोजाना लगभग 600-700 कप चाय बेचते हैं।

गौरतलब है कि देश में सबसे यादा कोरोना संक्रमण के मामले महाराष्ट्र में ही सामने आ रहे हैं और पुणे में इसका सबसे अधिक प्रकोप देखा गया है। महाराष्ट्र में वीरवार को कोरोना संक्रमण के 3,729 नए मामले सामने आये और 72 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई। 3,350 संक्रमितों को इलाज के बाद अस्पताल से घर भेज दिया गया।

तीन साल में एक करोड़ घरों तक टोंटी से होगा जल प्रदाय

मुख्यमंत्री शिवराज ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में एक करोड़ क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) का लक्ष्य तेजी से कार्य कर प्राप्त किया जाए। बैठक में बताया गया 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत शाला एवं आंगनबाड़ी में नल से जल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में प्रदेश के डेढ़ लाख आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में नल कनेक्शन लग जाएंगे। इसके अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में करीब 75 हजार नल कनेक्शन दिए जाएंगे। इसी तरह 75 हजार शालाओं में भी कनेक्शन तीन माह में प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश की आबादी को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से वर्ष 2023 तक 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के मापदंड से गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध करवाने का लक्ष्य प्राप्त किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में वर्ष 2020-21 में 26 लाख घरेलू कनेक्शन देने का लक्ष्य है। इसी तरह वर्ष 2021-22 में 33 लाख, वर्ष 2022-23 में 28 लाख और वर्ष 2023-24 में 14 लाख कनेक्शन देने का लक्ष्य हैं। भारत सरकार से प्राप्त राशि और किए गए व्यय के आधार पर मध्य प्रदेश बड़े राज्यों में दूसरे क्रम पर है जहां 378 करोड़ रुपए की राशि व्यय की गई है।

स्वीकृत योजनाओं का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण आबादी को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए स्वीकृत योजनाओं का कार्य तेजी से पूर्ण किया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 10 योजनाओं से 4347 ग्राम लाभांवित होंगे। ये योजनाएं गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सिंगरौली, आगर, देवास, सागर और धार में क्रियान्वित होंगी।

एसीएस ने दी मिशन के कार्यों के संबंध में जानकारी

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर जल जीवन मिशन के कार्यों के अंतर्गत स्त्रोत आधारित समूह जल प्रदाय योनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की। बैठक में गुणवत्ता प्रभावित बसाहटों और सांसद आदर्श ग्राम की योजनाओं में संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव ने मिशन के कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

महिला सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : एडीजी सागर

भोपाल । अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (पीटीआरआई) डीसी सागर ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन के साधनों जैसे- बस, टैक्सी, कैब में यात्रा करने वाली महिलाओं और किशोरियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर परिवहन विभाग प्रदेश में सूचनाओं की मॉनीटरिंग के लिए कमाण्ड कंट्रोल सेंटर स्थापित करेगा। इसके लिए गत दिवस सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और मध्यप्रदेश परिवहन विभाग के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कमाण्ड कंट्रोल सेंटर होगा स्थापित

श्री सागर ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा सार्वजनिक परिवहन के वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेसिंग डिवाइस तथा इमरजेंसी बटन लगाने को अनिवार्य किया गया है। इससे किसी भी अप्रिय स्थिति में न केवल तत्काल सूचना प्राप्त हो सकेगी, बल्कि उस पर त्वरित कार्रवाई किया जाना भी संभव हो सकेगा। कमाण्ड कंट्रोल सेंटर समय-समय पर मिलने वाले अलर्ट और सूचनाओं की अत्याधुनिक तरीके से मॉनीटरिंग करेगा। कमाण्ड कंट्रोल सेंटर में सभी वाहनों की रियल टाइम लोकेशन, जियो फैंसिंग, रियल टाइम प्लाटिंग तथा कई अन्य मैप आधारित टूल्स उपलब्ध रहेंगे। इनका प्रयोग कर तत्काल मदद भी पहुंचाई जा सकेगी। कमाण्ड कंट्रोल सेंटर में ऑटोमेटिक अलर्ट प्राप्त हो सकेंगे। श्री सागर ने बताया कि महिला सुरक्षा के क्षेत्र में कमाण्ड कंट्रोल सेंटर की स्थापना मील का पत्थर साबित होगी।

किसानों को अब एमआरपी का लाभ मिलेगा : पटेल

किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने शुक्रवार को बैरसिया में किसान चौपाल को संबोधित किया।

भोपाल (एजेंसी)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए द्रुत गति से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश को 2022 तक कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, अब किसानों को एमआरपी का लाभ दिलाया जाएगा। इससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त और समृद्ध बन सकेंगे। मंत्री श्री पटेल शुक्रवार को बैरसिया के हरसिद्धि माता तरावली कलां में किसान चौपाल को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर बैरसिया विधायक विष्णु खत्री भी उपस्थित थे।

बैरसिया के तरावली कला में किसान चौपाल आयोजित

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसानों को लाभांवित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। कृषि क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह सरकार किसानों की सरकार है। किसानों को समृद्ध बनाने के लिए लाएं गए नए कृषि कानूनों से किसानों की आय कई गुना बढ़ेगी। किसानों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि नए कृषि कानून से किसानों को अधिक मुनाफा होगा। फसलों का अधिकतम मूल्य किसानों को मिलेगा, जिससे किसान समृद्ध बनेंगे।

किसान अब खुद लगा सकेंगे उद्योग धंधे

श्री पटेल ने किसान चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों सहित ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वामित्व योजना प्रारंभ की गई है। इससे ग्रामीणों और किसानों को गांव में मौजू उनकी जमीन का मालिकाना हक दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान अब खुद उद्योग धंधे लगा सकेंगे। इसके लिए उन्हें सब्सिडी भी दी जाएगी। इसके पूर्व श्री पटेल ने कार्यक्रम में कन्याओं का पूजन भी किया। उन्होंने माता हरसिद्धि मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। स्थानीय विधायक श्री खत्री ने भी किसानों के लिए लाए गए तीनों कानून की विस्तार से जानकारी देते हुए इन कानूनों को किसान हितैषी बताया। इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित कृषक गण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों के खाते में अंतरित की 200 करोड़ की राशि

आर्थिक सशक्तिकरण के लिए देंगे महिलाओं को नई जिम्मेदारियां

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मिंटो हाल सभाकक्ष में मध्यप्रदेश आजीविका मार्ट का शुभारंभ किया।

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। इनमें स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दिशा में निरंतर कार्य होगा, ताकि बहनें स्वयं सशक्त होकर एक सशक्त समाज की रचना में सहयोगी बनें। प्रदेश की बहनों को गरीब नहीं रहने दिया जाएगा। स्व-सहायता समूहों के गठन, उनके प्रशिक्षण, उन्हें बैंक लिंकेज दिलवाने और मार्केटिंग का लाभ दिलवाकर आर्थिक लाभ प्रदान करवाने के कार्य लगातार चलेंगे। पोषण आहार तैयार करने का कार्य अब ठेकेदार नहीं, बल्कि महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं करेंगी। इन समूहों के उत्पाद पोर्टल के जरिए दूसरे देशों तक जा सकेंगे। गरीबी मिटाने का यह बहुत बड़ा माध्यम होगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश आजीविका मार्ट का शुभारंभ भी किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शुक्रवार को मिंटो हाल सभा कक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्व-सहायतासमूहों के खातों में 200 करोड़ की राशि अंतरित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में इन समूहों को बड़ी, अचार और पापड़ बनाने से आगे ले जाकर नवीन गतिविधियों जैसे किचिन शेड के निर्माण, बंजर भूमि समतलीकरण, वर्क शेड निर्माण, कुंआ निर्माण, मवेशी आश्रय भवन, भंडरण भवन और पशुपालन से भी जोड़ा जाएगा। इन नई जिम्मेदारियों से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। कोई ऐसा कार्य नहीं जो हमारी बहनें नहीं कर सकतीं। कार्यक्रम में समूहों को मिली सफलता पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभाग के नवीन पोर्टल http://shgjivika.mp.gov.in/mpmart/index की भी शुरुआत की जिस के माध्यम से ग्रामों के उत्पाद के विक्रय का कार्य आसान होगा। इससे पंजीकृत समूह, शासकीय संस्थाओं और व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को विक्रय कर अधिक लाभ अर्जित कर सकेंगे। प्रदेश में 10 लाख परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश में 35 लाख से अधिक ग्रामीण निर्धन परिवारों के 3 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। प्रदेश में कुल 2237 करोड़ की राशि वितरित की जा चुकी है।

देश में द्वितीय स्थान के लिए मिलीं बधाइयां

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने कोरोना संकट के समय प्रदेश में मास्क निर्माण जैसा महत्वपूर्ण कार्य किया। प्रदेश की आबादी को कोरोना वायरस से बचाने में समूहों की महिलाओं ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसके लिए महिला स्व-सहायता समूह की बहनें बधाई की पात्र हैं। वस्तव में इन बहनों की कार्य क्षमता अभूतपूर्व है। समूहों को इस वर्ष कुल 1400 करोड़ की सहायता दी जाएगी। गतवर्ष के 175 करोड़ वितरण के मुकाबले इस वर्ष समूहों को 883 करोड़ की राशि का वितरण किया जा चुका है। मध्यप्रदेश बीते वर्ष की तुलना में 708 करोड से अधिक राशि का वितरण कर देश में दूसरे स्थान पर है। इसके लिए समूहों की बहनें और पंचायत ग्रामीण विकास विभाग बधाई का पात्र है।
मुख्यमंत्री ने भोपाल जिले के स्व-सहायता समूह की महिलाओं को राशि प्रदान की। प्रतीक स्वरूप 5 समूहों को राशि दी गई। राशि प्राप्त करने वालों में माया दीदी, सीमा रिंकल, सुनीता, अनीता, तारा तथा रुकमणी दीदी आदि शामिल हैं।

प्रदेशभर में शासन की कार्रवाई भेदभाव पूर्व : दिग्विजय सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधायक मसूद ने दिया पीएस और डीजीपी को ज्ञापन

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि मंदसौर, उज्जैन, इंदौर समेत प्रदेशभर में हो रही घटनाओं में शासन की तरफ से एक पक्षीय और भेदभावपूर्ण कार्रवाई की जा रही है। एक धर्म विशेष को लक्ष्य बनाकर की जा रही कार्रवाई के दौरान हुड़दंगियों और वैमनस्यता फैलाने वालों को खुली छूट दे दी गई है। प्रशासन का यही नजरिया बना रहा तो शांति का टापू कहलाने वाले मप्र में हालात खराब हो सकते हैं। जिसका खामियाजा बेकसूर लोगों को उठाना पड़ रहा है। यह बात श्री सिंह ने प्रमुख सचिव व डीजीपी से मुलाकात के दौरान कही। वह शुक्रवार को प्रदेशभर में हो रही घटनाओं के विरोध में ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ विधायक आरिफ मसूद, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष एडवोकेट मुजीब कुरैशी, इंदौर शहर काजी अबू रेहान साहब, उज्जैन इमाम मौलाना तैयब और हाफिज अय्यूब के अलावा प्रदेशभर से आए लोग मौजूद थे।

मध्यप्रदेश में प्रत्येक समाज, पंथ और समुदाय सुरक्षित है : शिवराज

पलटवार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि इस राज्य की धरती पर प्रत्येक समाज, पंथ और समुदाय सुरक्षित है, लेकिन गुंडे बदमाशों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई जरूर होती रहेगी।

श्री चौहान ने यहां मीडिया के सवालों के जवाब में यह बात कही। उनसे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बयान के संबंध में सवाल पूछा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर हर समाज, पंथ और समुदाय सुरक्षित हैं। कार्रवाई अगर होगी, तो गुंडे, बदमाशों और माफियाओं के खिलाफ होगी और उसे कोई भी नहीं रोक सकता है। श्री चौहान ने दृढ़ता के साथ कहा कि जो भी गड़बड़ करेगा, वो परिणाम भुगतेगा। कानून सबके लिए बने हैं। कानून की दृष्टि में सभी समान हैं। राज्य सरकार ने पत्थरबाजों, मिलावट करने वालों, धोखाधड़ी करने वाले और अन्य माफियाओं के खिलाफ अभियान छेड़ा है और वह नहीं रुकेगा। श्री चौहान ने दिग्विजय सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि अब वे हमें पाठ पढ़ा रहे हैं। उनके कार्यकाल में प्रदेश तबाह हो गया था। बिजली, सड़क और अन्य क्षेत्र में क्या स्थिति थी। उन्होंने प्रदेश का बंटाढार कर दिया था। सिमी किसके जमाने में राज्य में पनपा था। उस समय रोज तनाव की घटनाएं होती थीं।

वाहनों में तोड़फोड़ करने वाले आपराधिक तत्वों पर कसें शिकंजा

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल नगर में कुछ स्थानों पर वाहनों में तोड़फोड़ की घटनाओं पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पुलिस महानिरीक्षक भोपाल को निर्देश दिए हैं कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली वाहनों की तोड़फोड़ की घटनाओं पर अंकुश लगाएं, ऐसे तत्वों पर शिकंजा कसें और इनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। श्री चौहान ने कहा कि अनेक नागरिकों द्वारा जानकारी दी गई कि उनके वाहनों में कुछ असामाजिक तत्व बार-बार तोड़फोड़ कर क्षति पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इन मामलों में सख्त कार्रवाई कर दोषियों को दंडित करने के निर्देश दिए हैं। श्री चौहान ने इन घटनाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नागरिकों के पक्ष में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों से इस प्रकार की शिकायतें नहीं आना चाहिए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिए निर्देश

प्रदेश के जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में अधूरे निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरे हों : मीना सिंह

भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित-जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री मीना सिंह ने कहा है कि जनजाति क्षेत्रों में चल रहे सभी निर्माण कार्य तय समय में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने अनुसूचित जाति-जनजाति विद्यार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिये। वे शुक्रवार को इंदौर में संभाग के अधिकारियों की बैठक संबोधित कर रही थी। बैठक में संभाग में वनाधिकार पट्टों पर वितरण, पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति वितरण, कोविड नियमों के तहत शिक्षण संस्थाओं के संचालन और छात्र आवास योजना की समीक्षा की गई।

आदिम-जाति कल्याण मंत्री मीना सिंह ने इंदौर में की निर्माण कार्यों की समीक्षा

मंत्री मीना सिंह ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता के बैठक में गैर हाजिर रहने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संभाग में आवासीय विद्यालयों के संचालन की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में मान्य वनाधिकार पट्टों का शत-प्रतिशत वितरण किया जा चुका है। जिले में नवीन 886 वनाधिकार पट्टों के पुनर्निरीक्षण का कार्य किया गया है। इनमें से 529 पट्टे मान्य किए जाकर वनवासियों को वितरित किए जा चुके हैं। जिले में वनाधिकार अधिनियम में अब तक करीब 2 हजार वनवासियों को वनाधिकार पट्टों का वितरण किया जा चुका है। इंदौर संभाग में करीब 5 हजार वनवासियों को वनाधिकार पट्टों का वितरण किया गया है।

अनुसूचित-जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए गुरुकुलम् आवासीय विद्यालय भवन का निर्माण जारी: बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले में एजुकेशन हब होने से प्रदेश-भर के अजा-जजा वर्ग के छात्र अध्ययन के लिए आते हैं। जिले में 38 हजार विद्यार्थियों को इस शैक्षणिक सत्र में करीब 100 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। छात्र आवास योजना के संबंध में बैठक में बताया गया कि अनुसूचित जाति-जनजाति के 12 हजार विद्यार्थियों को आवास सुविधा के लिए 35 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। योजना में उन विद्यार्थियों को मदद दी जाती है, जिन्हें हॉस्टल में सीमित संख्या में सीट होने से प्रवेश नहीं मिल पाता है। योजना में प्रति छात्र 2 हजार रुपए प्रतिमाह के मान से वर्षभर में 24 हजार की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में बताया गया कि इंदौर में 25 करोड़ की लागत से अनुसूचित-जनजाति वर्ग के छात्रों के लिए गुरुकुलम् आवासीय विद्यालय भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से पूरा किए जाने के निर्देश दिये।

विभागीय समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिए निर्देश

सामाजिक दायित्व निभाने विश्वविद्यालय और महाविद्यालय गांव गोद लें

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करने वालों का होंगे सम्मानित

भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैठक में कहा है कि विभागीय गतिविधियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के संबंध में तथ्यपरक जानकारी प्रस्तुत करें, ताकि समुचित निर्णय लेकर व्यवस्थित कार्रवाई प्रारंभ की जाए और उद्देश्य की पूर्ति सुनिश्चित हो सके। डॉ. यादव ने शुक्रवार को विभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि नवाचार ऐसे हों जो दीर्घकाल तक विद्यार्थियों सहित समाज के लिए हितकारी साबित हों।

सर्वप्रथम पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देश एवं निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। मंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि उच्च शिक्षा के लिए एक करोड़ अथवा इससे अधिक का योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान राज्य स्तर पर किए जाने की कार्रवाई शुरू करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों द्वारा अपने कार्य क्षेत्र के कम से कम एक गांव को गोद लेकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। ऐसे ग्रामों को गोद लेने वाली संस्था ग्रामों में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वारोजगार आदि की गतिविधियों का समुचित प्रशिक्षण भी देगी। उन्होंने कहा कि योजना की गांवो में जानकारी देने के लिए किए गए कार्यों एवं गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा कर उन्हें प्रोत्साहित और पुरस्कृत करने की योजना शीघ्र बनाएं। बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, अपर आयुक्त उच्च शिक्षा चंद्रशेखर बालिम्बे उपस्थित थे।

परिणामदायी विषय, पाठ्यक्रम और संकाय शुरू किए जाएं

बैठक में मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों और उपलब्ध पदों का युक्तियुक्तकरण करना पहली प्राथमिकता है, इस कार्य को इस माह के अंत तक पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम के अनुसार प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक आदि की व्यवस्था करना आवश्यक है। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज के परिवेश में जिन विषयों पर शिक्षा की सर्वाधिक आवश्यकता है, परिणामदायी हों, उन्हीं विषयों, पाठ्यक्रम, संकाय को पहले प्रारंभ किया जाए।

बैठक में इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

बैठक में ख्याति प्राप्त व्यक्तियों के नाम पर शासकीय महाविद्यालयों के नामकरण, नवीन निजी महाविद्यालयों की स्थापना, जनभागीदारी समितियों के पंजीयन, विधि महाविद्यालयों में नव नियुक्त सहायक प्राध्यापकों की उपलब्धता, जरूरत के साथ आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप तथा उच्च शिक्षा में नवाचार आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई।

50 शासकीय महाविद्यालय बनाए जाएंगे बहुविषयक

शासकीय महाविद्यालय भवनों के निर्माण एवं उन्नयन की समीक्षा करते हुए मंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि महाविद्यालय भवनों सहित सभी विभागीय निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयसीमा में पूर्ण किए जाना सुनिश्चित करें। प्रदेश के 50 शासकीय महाविद्यालयों को बहुविषयक बनाया जाएगा, ताकि एक स्थान पर अधिकतम विषयों की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था हो सके। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एकीकृत पोर्टल का निर्माण करवाया जा रहा है। मैप आईटी के सहयोग से करीब 478 करोड़ में यह पोर्टल तैयार होगा।

शुरुआत के लिए रियलिटी शो बेहतर जगह

रियलिटी शो से अपने करियर की शुरुआत करने वाली गायिका नेहा भसीन का कहना है कि शुरुआत करने के लिए इस तरह के प्लेटफॉर्म काफी बेहतर होते हैं, लेकिन इनमें जीत हासिल करने का मतलब यह नहीं है कि आपका करियर अब पूरी तरह से सेट हो गया है। साल 2002 में 'कोक वी पॉपस्टार' में भाग लेकर जीत हासिल करने के बाद नेहा पांच लड़कियों के पॉप गर्ल ग्रुप 'विवा' में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही थीं। इसके बाद उन्होंने 'कुछ खास', 'धुनकी' और 'जग घुमेया' जैसे कई हिट बॉलीवुड गीतों को भी अपनी आवाज दी। रियलिटी शोज पर अपनी राय रखते हुए नेहा ने बताया, ''रियलिटी शो एक बेहतर स्टार्टिंग पॉइंट हो सकता है। मेरे लिए भी यह काफी अच्छा साबित रहा है। हालांकि अपना सोलो करियर बनाने के लिए मुझे खुद मेहनत करनी पड़ी है। मुझे नहीं लगता कि रियलिटी शोज में चले जाने या जीत हासिल करने का मतलब यह नहीं है कि आपका करियर सेट हो गया है। यह एक शुरुआती शानदार कदम है और हमें इसे इसी तौर पर लेना चाहिए।'' नेहा जल्द ही आने वाले शो 'इंडियन प्रो म्यूजिक लीग' में एक टीम कप्तान के रूप में नजर आएंगी। इसमें भारत के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें होंगी, जिनमें से हर एक को किसी सेलिब्रिटी द्वारा सपोर्ट किया जाएगा और टीम के कप्तान के रूप में टॉप प्लेबैक सिंगर्स नियुक्त किए जाएंगे।

बेटियों को गोद लेने पर लोग कहते थे, कोई मुझसे शादी नहीं करेगा

एक्ट्रेस रवीना टंडन ने दो बेटियों को गोद लेने के फैसले को लेकर कहा है कि एक दौर में लोग उनसे कहा करते थे कि इसके चलते कोई उनसे शादी नहीं करेगा। वह कहती हैं कि मैं पूजा और छाया को गोद लेने के फैसले को अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे निर्णयों में से एक मानती हूं। वह कहती हैं कि आज मेरी ये बेटियां मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं। रवीना टंडन ने पिंक विला से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं 1995 में सिर्फ 21 साल की थी। उस दौर में जब मैंने दो लड़कियों को गोद लेने का फैसला लिया तो लोगों ने मुझे डराया भी लेकिन यह अनुभव काफी शानदार था।' उस वक्त रवीना टंडन का यह फैसला काफी सुर्खियों में रहा था और लोग रहते थे कि इससे रवीना टंडन का करियर बर्बाद भी हो सकता है। रवीना की इन दोनों बेटियों की अब शादी हो गई और दोनों के बच्चे हैं। वह कहती हैं कि दोनों को गोद लेने का फैसला जिंदगी के सबसे अच्छे निर्णयों में से एक था। महज 21 साल की उम्र में बेटियों को गोद लेने के सवाल पर वह कहती हैं कि मुझे उस वक्त कुछ ऐसा महसूस हुआ कि 21 साल की उम्र होना मायने नहीं रखता था। मैं उनके साथ गुजारे हर पल को याद करती हूं। उन्हें पहली बार बाहों में भरने से लेकर शादी के मंडप तक के जाने का अनुभव बहुत अच्छा रहा है। रवीना टंडन ने कहा कि उस दौरान बेटियों को गोद लेने को लेकर लोग कहते थे कि इससे उनकी शादी की संभावनाओं पर असर पड़ेगा। रवीना टंडन ने बताया, 'उस वक्त मुझसे लोग कहते थे कि इससे मेरी शादी की संभावनाओं पर असर होगा। कोई मुझसे शादी नहीं करना चाहेगा क्योंकि कोई भी इस तरह का बोझ नहीं लेना चाहेगा।' बता दें कि रवीना टंडन ने फिल्म डिस्ट्रिब्यूटर अनिल थडानी से शादी की है। इस शादी से भी उनके दो बच्चे हैं, बेटी राशा और बेटा रणबीरवर्धन। रवीना टंडन ने जिन बच्चियों को गोद लिया था, उनमें से एक छाया एयर होस्टेस हैं, जबकि पूजा इवेंट मैनेजर के तौर पर काम करती हैं।

भाभीजी घर पर हैं में सौम्या की जगह लेंगी नेहा पेंडसे

अगस्त 2020 में सौम्या टंडन ने लोकप्रिय धारावाहिक 'भाभीजी घर पर हैं' छोड़ने का फैसला लिया जिससे उनके फैंस में निराश छा गई। वे अनिता भाभी का रोल पिछले 5 वर्षों से निभा रही थीं और उन्हें इस रोल में बेहद पसंद किया जा रहा था। सौम्या का कहना है कि वे एक्टर के रूप में आगे बढ़ना चाहती हैं इसलिए उन्होंने यह फैसला लिया और इस शो के मेकर्स को धन्यवाद भी दिया। सौम्या की जगह नेहा पेंडसे को लेने की चर्चा हुई, लेकिन नेहा ने इससे इंकार कर दिया। अब यह बात तय है कि वे ही इस शो में सौम्या की जगह लेंगी। नेहा बिग बॉस 12 में दिखाई दी थीं और उनका अच्छा खासा फैन बेस भी है। बिग बॉस में वे फाइनल तक तो नहीं पहुंच पाई थी, लेकिन उन्होंने अच्छा खेल दिखाया था। भाभीजी घर पर हैं में शुभांगी अत्रे, आसिफ शेख और रोहिताष गौड़ लीड रोल में हैं। वर्षों से यह शो परिवारों के बीच बेहद लोकप्रिय है और मनोरंजक माना जाता है।

क्या बनेगा सेक्रेड गेम्स 3 नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने किया खुलासा

भाई, सेक्रेड गेम्स ने तो गजब कर दिया था। ऐसी धांसू वेबसीरिज थी कि लोगों ने पहले सीजन को ही दो-तीन बार देख डाला। नवाजुद्दीन सिद्दीकी की एक्टिंग के तो सभी कायल हो गए थे। सीजन 2 का सभी को इंतजार था, लेकिन इंतजार का यह फल इतना मीठा नहीं था। पहले सीजन वाली बात दूसरे सीजन में नहीं थी। दूसरे सीजन के अंत में कुछ तार ऐसे छोड़ दिए गए थे ताकि तीसरा सीजन बनाया जा सके। हालांकि अब तक इसके मेकर्स ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि वे सीजन 3 बनाएंगे या नहीं, लेकिन नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने यह बात कह डाली है। एक वेबसाइट से बातचीत करते हुए इस प्रतिभा के भंडार ने कहा कि तीसरा सीजन नहीं बनेगा। जी हां, नहीं बनेगा। नवाजुद्दीन के अनुसार जो कुछ कहा जाना था, कहा जा चुका है। सीजन 3 में कहने के लिए कुछ नहीं बचा है। नवाजुद्दीन की इस बात से सेक्रेड गेम्स के ढेर सारे फैंस को झटका लगेगा और वे मायूस भी होंगे।

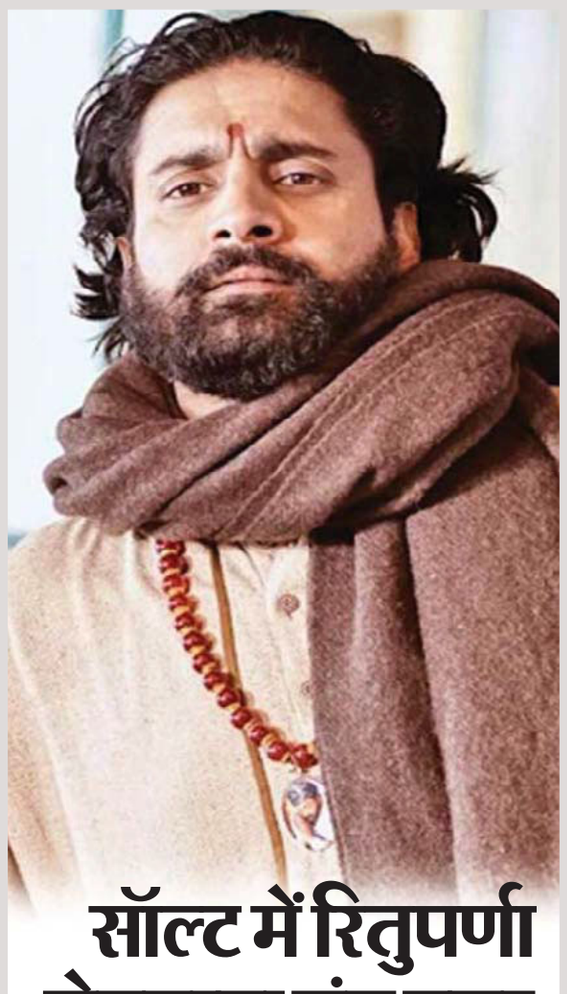

सॉल्ट में रितुपर्णा सेनगुप्ता संग नजर आएंगे चंदन रॉय सान्याल

अभिनेता चंदन रॉय सान्याल और अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता जल्द ही एक रोमांटिक ड्रामा में एक-दूसरे के साथ नजर आने वाले हैं, जिसका शीर्षक 'सॉल्ट' है। सनी रे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज करने की तैयारी जोरो-शोरो पर है। रणजोय भट्टाचार्जी ने फिल्म में संगीत देने का काम किया है, जबकि अयन शील इसके डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी हैं। फिल्म शंकर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक अंतमुर्खी स्वभाव का आर्किटेक्ट है। शंकर को अपने बॉस की गर्लफ्रेंड माया से प्यार हो जाता है। पहली बार डेट पर कहे गए एक अजीबोगरीब झूठ के चलते माया भी शंकर से काफी प्रभावित हो जाती है। फिल्म की पूरी शूटिंग कोलकाता और दार्जिलिंग में हुई है। फिल्म की टैगलाइन में लिखा है : ''वन लाई - टू लाइव्स - लिटिल टाइम - एक्सेस सॉल्ट - चेंजेड लाइव्स फॉरेवर।'' चंदन ने इस फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि इसने उन्हें हॉलीवुड फिल्म 'ब्लू वैलेंटाइन' की याद दिला दी है। इधर रितुपर्णा भी फिल्म में माया के किरदार को निभाने को लेकर बेहद रोमांचित हैं।

जाह्नवी ने 39 करोड़ रुपये का खरीदा घर

श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी कपूर दो फिल्म पुरानी हैं। धड़क और गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल नामक उनकी फिल्में रिलीज हुई हैं। दो फिल्मों के बाद ही जाह्नवी ने एक घर मुंबई में खरीदा है जिसकी कीमत जान आंखें फटी रह जाएंगी। 39 करोड़ रुपये का यह घर उन्होंने खरीदा है। आर्या बिल्डिंग में उन्होंने फ्लेट खरीदा है जो कि 14वीं, 15वीं और 16वीं मंजिल तक फैला हुआ है। यानी कि तीन फ्लोर का यह फ्लेट है। यह डील 7 दिसम्बर 2020 को हुई है। जाह्नवी इस समय फिल्मों में अपनी पहचान बनाने में भी लगी हुई हैं। दोस्ताना 2, रूही अफजाना, तख्त के अलावा दो दक्षिण भारतीय फिल्मों के हिंदी रीमेक भी वे कर रही हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं कपिल शर्मा

अभिनेता-कॉमेडियन कपिल शर्मा जल्द डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनका ये डेब्यू प्रोजेक्ट कॉमेडी स्पेशल है या सीरीज या फिल्म है। कपिल ने कहा है, ''मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहली बार जुड़ने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। साल 2020 दुनिया भर के लोगों के लिए खासा उतार-चढ़ाव वाला रहा है और मेरा मकसद है कि मैं लोगों को उनकी चिंताओं को भूलकर प्यार, हंसी और सकारात्मकता के साथ इस नए साल का स्वागत करने में मदद करूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं हमेशा से स्ट्रीमिंग क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी के साथ काम करना चाहता था, लेकिन मेरे पास उनका नंबर नहीं था। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के करीब है इसके बारे में ज्यादा बातें अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर पा रहा हूं।'' कपिल ने यह खबर सोशल मीडिया के जरिये साझा की है। उन्हें इस घोषणा का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनका कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' 2016 से प्रशंसकों का मनोरंजन कर रहा है। इसके अलावा वे 'किस किसको प्यार करूं' और 'फिरंगी' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं।

अपारशक्ति ने बताया उनकी अगली फिल्म का नाम हेलमेट क्यों है ?

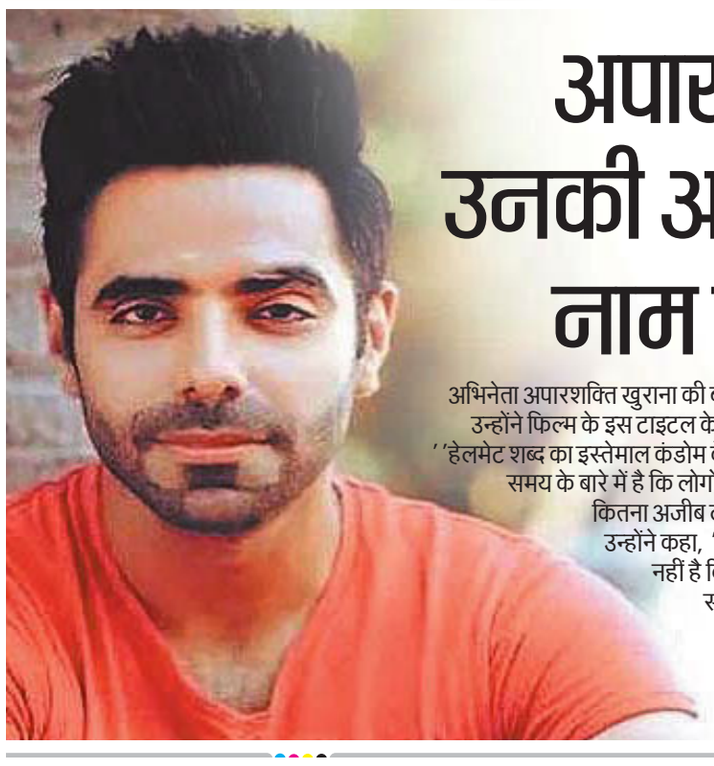

अभिनेता अपारशक्ति खुराना की बतौर लीड हीरो पहली फिल्म 'हेलमेट' रिलीज होने वाली है। उन्होंने फिल्म के इस टाइटल के पीछे के कारण का खुलासा किया है। अपारशक्ति ने बताया, ''हेलमेट शब्द का इस्तेमाल कंडोम के लिए किया गया है। यह फिल्म कंडोम के बारे में है और इस समय के बारे में है कि लोगों के लिए आज भी मेडिकल स्टोर पर कंडोम का पैकेट मांगना कितना अजीब लगता है। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई जैसे बड़े शहरों में भी।'' उन्होंने कहा, ''यह एक स्थिति पर आधारित कॉमेडी फिल्म है, लेकिन ऐसा नहीं है कि पूरी फिल्म में लोग कंडोम के बारे में ही बात करते रहेंगे!'' सतराम रमानी द्वारा निर्देशित हेलमेट एक कॉमेडी फिल्म है जो देश के प्रमुख हिस्सों की उस जमीनी हकीकत को दर्शाती है, जहां सेक्स के लिए सुरक्षा के बारे में बात करना अजीब है। इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी और आशीष वर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सिडनी में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह ने कैमरुन ग्रीन को पेवेलियन भेजा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाये 338 रन, भारत 96/2

सिडनी, (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के शानदार शतक 131 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 338 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में दो विकेट के नुकसान पर 96 रन बना लिए हैं। चेतेश्वर पुजारा 9 और कप्तान आजिंक्य रहाणे 5 रन बनाकर खेल रहे थे। दूसरे दिन के खेल का आकर्षण स्मिथ का शतक रहा। स्मिथ की कठिन समय में खेली गई 131 रनों की पारी की मदद से ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 338 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाने में सफल रही। स्मिथ को रविंद्र जडेजा ने अपने एक शानदार थ्रो से रन आउट किया।

स्मिथ के अलावा मार्नस लाबुशेन ने भी 91 रन बनाये पर वह शतक नहीं लगा पाये। ऑस्ट्रेलियाई टीम का तीसरा विकेट लाबुशेन के रूप में गिरा। उनकी स्टीव स्मिथ के साथ 100 रन की साझेदारी हुई। लाबुशेन ने 196 गेंदें खेलते हुए 11 चौकों की मदद से 91 रन बनाए। वह जडेजा की गेंद पर रहाणे के हाथों कैच आउट हुए। दूसरे दिन एक बार फिर बारिश ने खलल डाला जिसके कारण मैच को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। जब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 2 विकेट पर 188 रन था तब बारिश के कारण मैच को रोकना पड़ा था।

वहीं भारत की ओर से रविन्द्र जडेजा ने सबसे ज्यादा चार जबकि युवा तेज गेंदबाज नवनीत सैनी और जसप्रीत बुमराह ने दो-दो विकेट लिए। एक विकेट मो सिराज को मिला।

भारत की पारी की शुरूआत सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और युवा शुभमन गिल ने की। गिल ने 101 गेंदों पर 50 रनों की शानदार पारी खेली और वह कमिंस की गेंद पर ग्रीन के हाथों कैच आउट हुए।

रोहित हेजलवुड को उन्हीं की गेंद पर आसान कैच देकर अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने 77 गेंदों पर 3 चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए। इसके बाद पुजारा और रहाणे ने कोई और झटका नहीं लगने दिया।

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरूआत दो विकेट के नुकसान पर 166 रनों के साथ की। टीम ने दूसरे दिन अपने स्कोर में 172 रन जोड़े। लाबुशैन 67 और स्मिथ ने 31 रनों से अपनी पारी शुरू की। लाबुशैन भारत के खिलाफ अपना पहला शतक नहीं जमा सके। टीम ने दूसरे दिन अपने स्कोर में 172 रन जोड़े।

लाबुशैन के आउट होने के बाद स्मिथ को कोई विकेट पर खड़ा होने वाला बल्लेबाज नहीं मिला। मैथ्यू वेड (13) को भी जडेजा ने आउट किया और ग्रीन को बुमराह ने पवेलियन की राह दिखाई। ग्रीन 21 गेंदें खेलने के बाद भी खाता नहीं खोल पाए। दिन के पहले सत्र में ऑस्ट्रेलिया ने यही तीन विकेट खोए। दूसरे सत्र में बुमराह ने आस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन को भी बिना खाता खोले पेवेलियन भेज दिया। पैट कमिंस भी बिना रन बनाए जडेजा का शिकार बने। मिशेल स्टार्क ने कुछ तेज स्ट्रोक खेलकर 30 गेंदों पर 24 रन बनाए। स्मिथ के साथ उन्होंने 32 रन जोड़े जिसमें से सिर्फ आठ स्मिथ के थे।

नवदीप सैनी ने स्टार्क की पारी का अंत किया। इस बीच स्मिथ ने अपना शतक पूरा कर लिया। जडेजा ने नाथन लॉयन को भी खाता नहीं खोलने दिया। स्मिथ के रूप में ऑस्ट्रेलिया ने अपना आखिरी विकेट खोया। वह रन आउट हुए। इसमें भी जडेजा का योगदान रहा जिनकी सीधी थ्रो विकेटों पर लगी और स्मिथ को पवेलियन लौटना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

डेलरे बीच ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंचे पॉल, क्वेरी और कोर्डा

डेलरे बीच, (एजेंसी)। अमेरिका के टॉमी पॉल ने डेलरे बीच ओपन टेनिस टूनार्मेंट के पहले दौर में दक्षिण कोरिया के जी सुंग नाम को 6-1, 6-4 से हराया है। पॉल अभी विश्व रैंकिंग में 52वें नंबर पर हैं। उन्हें यहां 5वीं वरीयता दी गई है। वहीं इस टूनार्मेंट में साल 2016 के चैंपियन और छठी वरीयता प्राप्त सैम क्वेरी ने सात में से छह ब्रेक अंक बचाकर हमवतन खिलाड़ी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-4 से हराया। वहीं एक अन्य मुकाबले में अमेरिका के ही सेबेस्टियन कोर्डा ने दक्षिण कोरिया के क्वोन सून वू को 6-4, 6-4 से पराजित किया। अब उनका मुकाबला पॉल से होगा। वहीं अन्य मैचों में इटली के जियानलुका मैगर ने अमेरिका के रेयान हैरिसन को 3-6, 6-1, 6-4 से जबकि ब्राजील के थियागो मोंटिरो ने अपने ही देश के थामस बेलुची को 6-3, 7-5 से हराया। मोंटिरो का अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त जॉन इसनर से होगा।

टीम की आलोचना को गलत नहीं मानते कोच मिसबाह

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिसबाह उल हक ने माना है कि जिस प्रकार उनकी टीम ने खराब प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए वह आलोचना की ही पात्र है। मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पाक को टेस्ट सीरीज में 2-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा है। मिसबाह ने कहा, खराब प्रदर्शन के कारण हम आलोचना किए जाने के ही अधिकारी हैं, इससे उन्हें कोई हैरानी नहीं हुई है। जब लोग आपसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं और आप ऐसा नहीं करते तो उनका आपकी आलोचना करना गलत नहीं होता है। मिसबाह ने माना कि उनकी टीम ने खेल के सभी विभागों में खराब प्रदर्शन किया था।

बुमराह और स्मिथ एक दूसरे की नकल उतारते हुए दिखे

सिडनी, (एजेंसी)। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन खेल के दौरन ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत के बीच नोक झोंक देखने को मिली। मैच के दौरान यह दोनो खिलाड़ी एक दूसरे की नकल उतारते भी नजर आये। स्मिथ जैसे ही बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आए भारतीय टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने बुमराह को गेंदबाजी के लिए बुलाया। इसके बाद बुमराह ने खराब फॉर्म में चल रहे स्मिथ को अच्छी लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी की पर स्मिथ बमुराह की लाइन और लेंथ खराब करने के लिए उन्हें चिढ़ाने लगे। इस दौरान बमुराह भी कहां पीछे रहने वाले थे वह भी स्मिथ की नकल करने लगे।

कुश्ती रैंकिंग सीरीज का पहला मुकाबला इटली में होगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व कुश्ती संघ ने साल 2021 के संशोधित कैलेंडर को तय किया है। इस नए कैलेंडर के अनुसार पहला मुकाबला इटली में चार से सात मार्च 2021 तक होगा। इसके बाद नौ से 11 अप्रैल तक कजाकिस्तान में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर होगा। ऐसे में भारतीय पहलवानों के पास अब अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक को देखते हुए कजाकिस्तान में अप्रैल में होने वाले क्वालीफाइंग मुकाबले से अपनी जगह बनाने का अवसर होगा। कुश्ती की विश्व संस्था के अनुसार सीनियर एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 17 अप्रैल तक होगा। विश्व ओलंपिक क्वालीफायर का आयोजन बुल्गारिया में छह से नौ मई तक होगा। यह टोक्यो ओलंपिक के लिए कुश्ती का आखिरी क्वालीफाइंग टूनार्मेंट होगा।

फ्री गोल्फ ट्रिप चाहती हैं गोल्फर पेजे

लंदन, (एजेंसी)। खूबसूरत गोल्फर पेजे स्पिरानाक का सपना है कि उन्हें फ्री गोल्फ ट्रिप मिले। पेजे ने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ यह बात कही। इस दौरान जब एक प्रशंसक ने उनसे उनकी इच्छाओं के बारे में पूछा तो पेजे ने तपाक से इसका जवाब दिया। उन्होंने लिखा, एक आम आदमी की तरह मैं भी वास्तव में हमेशा फैटेंसी के बारे में ही सोचती रहती हूं पर जब आप इसकी तुलना किसी और से करते हैं तो यह बहुत छोटा हो जाता है। पेजे ने कहा, यह सोचने की बात है कि क्या आप बिस्तर पर जाना चाहते हो या अपने करीबी दोस्तों के साथ फुल गोल्फ ट्रिप पर जोकि बिल्कुल फ्री हो। अगर मेरे साथ ऐसे होता है तो मैं 100 फीसदी गोल्फ का ही चयन करुंगी।

13 फरवरी से भारतीय एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत अगले महीने फरवरी में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल चैंपियनशिप के साथ होगी। यह ओलंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता भी है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने कहा कि तेरह फरवरी को शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुछ अंतरराष्ट्रीय एथलीट भी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन पुरुष 50 किमी पैदल चाल, पुरुष और महिला 20 किमी पैदल चाल, पुरुष और महिला अंडर-20 10 किमी वर्ग में किया जाएगा और इस दौरान संक्रमण से बचाव के लिए कोविड-19 से जुड़े कड़े नियमों का पालन किया जाएगा।

ऋषभ की विकेटकीपिंग पर पॉन्टिंग ने उठाये सवाल

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टीम इंडिया के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की विकेटकीपिंग पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच भी हैं और ऋषभ भी इसी टीम से खेलते हैं ऐसे में पोंटिंग का उनकी विकेटकीपिंग को लेकर दिया गया बयान और भी अहम हो जाता है। पोंटिग ने कहा है कि ऋषभ ऐसे विकेटकीपर हैं जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा कैच छोड़े हैं। ऐसे में उन्हें अपनी यह कमी ठीक करनी होगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन ऋषभ ने ऑस्ट्रेलियाई युवा बल्लेबाज विल पुकोवस्की के दो-दो कैच छोड़ दिये। पुकोवस्की ने इसके बाद अर्धशतक लगा दिया।

पॉन्टिंग ने कहा कि ऋषभ ने जबसे डेब्यू किया है वो सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाले विकेटकीपर हैं, इसलिए उन्हें बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। पॉन्टिंग ने कहा, पहले दिन दो कैच गिरे जो पकड़े जाने चाहिए थे। ऋषभ किस्मत वाले हैं कि पुकोवस्की ने बड़ा शतक नहीं लगाया, सिडनी की पिच बहुत अच्छी दिख रही है। पॉन्टिंग ही नहीं आंकड़े भी ऋषभ की खराब विकेटकीपिंग को जाहिर कर रहे हैं। साल 2018 की शुरूआत से ही ऋषभ ने हर टेस्ट में 0.86 फीसदी कैच छोड़े हैं जो कि बहुत ज्यादा है। जिस भी विकेटकीपर ने इस दौरान 10 टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें ऋषभ सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाले विकेकीपर हैं। ऋषभ को स्पिनर्स के खिलाफ कीपिंग करने में विशेष परेशानी आती है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ ऋषभ ने 93 फीसदी कैच पकड़े हैं पर स्पिनरों के खिलाफ यह आंकड़ा केवल 56 फीसदी कैच पकड़ने का ही है।

डोपिंग मामले में टेनिस खिलाड़ी डायना निलंबित

लंदन, (एजेंसी)। विश्व की शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल युक्रेन की डायना यासत्रेमस्का को डोपिंग परीक्षण में विफल रहने के बाद अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) ने यह बात कही है। आईटीएफ ने कहा कि युक्रेन की 20 साल की डायना मेस्टरोलोन मेटाबोलाइट की जांच में पॉजिटिव पाई गई है।

हवाई में चैम्पियंस गोल्फ मुकाबले में खेलते हुए डस्टिन जॉनसन।

तमिलनाडु की कप्तानी करेंगे कार्तिक, विजय शंकर होंगे उपकप्तान

चेन्नई, (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट में तमिलनाडु की कप्तानी करेंगे। वहीं ऑलराउंडर विजय शंकर को टीम का उप कप्तान बनाया गया है। टीम को हालांकि अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन, वाशिंगटन सुंदर और टी नटराजन की कमी खलेगी। यह तीनों ही अभी भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। पूर्व कप्तान एस वासुदेवन की अगुआई वाली राज्य की सीनियर चयन समिति ने कोरोना महामारी के खतरे को ध्यान में रखते हुए 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। तेज गेंदबाज अश्विन क्राइस्ट की तीन साल बाद टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा संदीप वारियर भी टीम के साथ जुड़ गए हैं। टीम में स्पिनर एम अश्विन, आर साई किशोर और एम सिद्धार्थ भी शामिल हैं। तमिलनाडु को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है।

टीम इस प्रकार है: दिनेश कार्तिक (कप्तान), विजय शंकर, बी अपराजित, बी इंद्रजीत, एम शाहरूख खान, सी हरि निशांत, केबी अरूण कार्तिक, प्रदोष रंजन पॉल, एन जगदीशन, अश्विन क्राइस्ट, एम मोहम्मद, जी पेरियासामी, संदीप वारियर, जे कौशिक, आर सोनू यादव, एम अश्विन, आर साई किशोर, एम सिद्धार्थ, एल सूर्यप्रकाश और आरएस जगन्नाथ श्रीनिवास।

पृथकवास योजना को लेकर धैर्य बनाये रखें खिलाड़ी : क्रेग

मेलबर्न, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) क्रेग टेली ने आठ फरवरी से शुरू होने वाले टेनिस ग्रैंडस्लैम के लिए खिलाड़ियों से यहां पहुंचने और पृथकवास योजना को लेकर धैर्य रखने को को कहा है। विश्व के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपनके लिए 15 जनवरी से मेलबर्न पहुंचने लगेंगे और उन्हें 14 दिनों के लिए होटल में पृथकवास पर रहना होगा।

उन्हें हालांकि रोज सीमित समय के लिए जैव-सुरक्षित माहौल में अभ्यास करने की अनुमति रहेग। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजक दुबई, सिंगापुर और लॉस एंजिल्स से 20 चार्टर्ड विमानों से खिलाड़ियों को मेलबर्न लेकर आयेंगे। इस मामले को लेकर टीले ने कहा है खिलाड़ियों के लिए उड़ान के विवरणों को अंतिम रूप देने में कुछ देरी हुई है जिसके लिए हमें खेद है। यात्रा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस दौरान हम आपके धैर्य की सराहना करते हैं और इस बात से अवगत हैं कि आपके पास बहुत कम समय है। खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया पहुंचने से पहले और पहुंचने के बाद पृथकवास के दौरान हर दिन उन्हें कोविड-19 जांच से गुजरना होगा। पृथकवास की अवधि सुरक्षित तरीके से पूरा करने वाले खिलाड़ियों से संक्रमण का खतरा नहीं रहेगा।

स्मिथ के शतक से ऑस्टेलिया ने पहली पारी में बनाये 338 रन

सिडनी, (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की शतकीय पारी 131 रन और मार्नस लाबुशेन के 91 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत के खिलाफ अपनी पहली पारी में 338 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने चायकाल के समय तक बिना किसी नुकसान के अपनी पहली पारी में 26 रन बना लिए थे। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने पारी शुरू की। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की और विल पोकोवस्की और मार्नस लाबुशेन ने अर्धशतकीय पारियां खेली जबकि अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ ने शतक के साथ फार्म में वापसी की है। वहीं बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने 13 रन जबकि ग्रीन खाता ही नहीं खोल पाये। कप्तान टिम पेन भी एक ही रन बना पाये। वेड जडेजा की गेंद पर बुमराह के हाथों आउट हुए जबकि ग्रीन और पेन को बुमराह ने अपनी गेंद का शिकार बनाया। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम का तीसरा विकेट लाबुशेन के रूप में गिरा जिनकी स्मिथ के साथ 100 रन की साझेदारी हुई। लाबुशेन 91 रन बनाए और वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। वह जडेजा की गेंद पर रहाणे के हाथों कैच आउट हुए। दूसरे दिन भी खेल के दौरान बारिश की बाधा सामने आई।

टोक्यो में एक व्यक्ति ओलंपिक रिंग के करीब से साइकिल चलाकर निकलते हुए।

पूरन ने आईसीसी के रैंकिंग देने के तरीके पर सवाल उठाये

जमैका, (एजेंसी)। वेस्टइंडीज टीम के अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन ने आईसीसी के रैंकिंग देने के तरीके पर सवाल उठाये हैं। आईसीसी ने हाल ही में टी20 रैंकिंग जारी की है इसमें इंग्लैंड की टीम नंबर वन स्थान पर है वेस्ट इंडीज को 10वें स्थान पर रखा गया है। इसी को लेकर पूरन ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि मौजूदा टी20 रैंकिंग टीम की सही क्षमता के साथ न्याय नहीं कर रही है क्योंकि दो बार टी20 विश्व कप विजेता टीम रही टीम 10वें स्थान पर है, वहीं हैरानी की बात है कि बांग्लादेश और अफगानिस्तान को भी उससे ऊपर रखा गया है।

पूरन ने आईसीसी टी20 रैंकिंग पर कहा कि कुछ अवसरों पर वेस्टइंडीज के कई अहम खिलाड़ी किसी कारण से टीम का से बाहर रहे हैं और इस कारण से टीम का पदर्शन खराब हुआ है पर आईसीसी टूनार्मेंटों में ऐसा नहीं हुआ है। जो रैंकिंब हमें दी गयी है उसको देखते हुए यह साफ है कि आईसीसी टी20 रैंकिंग में हमारी टीम का आंकलन सही से नहीं किया गया है। पूरन ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप भारत में होना है, इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक टीम के तौर पर हमारी वेस्टइंडीज की टीम टी20 विश्व कप के लिए पूरी तरह से अपनी ताकत लगाने को तैयार है। बीते कुछ समय से हम इस प्रारुप और टी20 विश्व कप में शानदार फॉर्म में हैं लेकिन आईसीसी की रैंकिंग हमारी टीम का सही से आंकलन नही कर पा रही है। 28 जनवरी से टी10 टूनार्मेंट खेला जाना है और निकोल्स पूरन इसमें नॉर्दन वॉरियर्स टीम की कप्तानी करेंगे। इस पर पूरन ने कहा कि वेस्टइंडीज के कई वरिष्ठ खिलाड़ी टीम में वापसी कर रहें हैं और हमें बेहतर क्रिकेट देखने को मिलेगा।